फाल्गुन माह , कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 51 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार 15 मार्च 2022 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

शानदार: भारत ने श्रीलंका का क्लीन स्वीप किया, घरेलू मैदान पर लगातार 15वीं टेस्ट सीरीज जीती

बेंगलुरु: भारत ने बेंगलुरु में खेले गए दूसरे और आखिरी टेस्ट में श्रीलंका को 238 रन से हरा दिया। भारतीय टीम ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में श्रीलंका के सामने 447 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में श्रीलंका की टीम 208 रन पर सिमट गई। भारत ने श्रीलंका का टी-20 सीरीज के बाद टेस्ट सीरीज में भी क्लीन स्वीप कर दिया। भारत ने पहला टेस्ट पारी और 222 रन से जीता था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 252 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंकाई पहली पारी 109 रन पर सिमट गई थी। इस तरह दूसरी पारी में भारतीय टीम को 143 रन की बढ़त हासिल हुई। दूसरी पारी को भारत ने नौ विकेट पर 303 रन बनाकर घोषित कर दी। इस तरह श्रीलंका को 447 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम 208 रन बना सकी और भारत ने मैच 238 रन से जीता। श्रेयस अय्यर को बेंगलुरु डे-नाइट टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया।

श्रीलंका का तीसरी बार किया क्लीन स्वीप: भारत ने विश्वा फर्नांडो का विकेट लेने के साथ ही तीसरी बार श्रीलंकाई टीम का टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया। इससे पहले टीम इंडिया 1993-94 और 2017 में श्रीलंका का टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर चुकी है।

टीम इंडिया ने लगातार 15वीं सीरीज जीती: भारतीय टीम ने घरेलू मैदानों पर लगातार 15वीं टेस्ट सीरीज जीती है।

टीम इंडिया पिछली बार घरेलू टेस्ट सीरीज नवंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ हारी थी। उस समय महेंद्र सिंह धोनी टीम के कप्तान थे। उसके बाद से अब तक भारतीय टीम घरेलू टेस्ट सीरीज में हारी नहीं है। यह भी एक रिकॉर्ड है, क्योंकि आज तक किसी भी टीम ने अपने घरेलू मैदानों पर इतनी सीरीज नहीं जीती है। भारत के बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अब तक घर में लगातार 10 टेस्ट सीरीज जीती हैं।

टीम ने ये कारनामा दो बार किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार ऐसा नवंबर 1994 से नवंबर 2000 तक किया था। वहीं दूसरी बार टीम ने ऐसा जुलाई 2004 से नवंबर 2008 के बीच किया था।

द कश्मीर फाइल्स' पर मचा बवाल

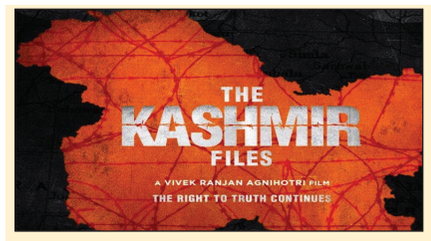

जम्मू-कश्मीर/रायपुर: जम्मू-कश्मीर पर बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर देशभर में बवाल हो रहा है। सबसे पहले केरल कांग्रेस ने फिल्म को लेकर एक विवादित ट्वीट किया, जिसे पार्टी ने बाद में डिलीट कर दिया। इसके साथ ही फिल्म को कम स्क्रीन्स पर रिलीज किए जाने को लेकर रायपुर, आगरा समेत कई शहरों में विभिन्न संगठन सिनेमाघर और मल्टीप्लेक्स के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं।

इन राज्यों में टैक्स फ्री हुई फिल्म: अब तक फिल्म को गुजरात, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, गोवा और त्रिपुरा में टैक्स फ्री कर दिया गया है। वहीं राजस्थान में भाजपा के साथ कांग्रेस विधायक भी फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग करे हैं। इसी दौरान फिल्म की कमाई में 3 दिन में 325% का उछाल देखने को मिला है। फिल्म की स्क्रीन्स को भी 600 से बढ़ाकर 2000 कर दिया गया है।

फिल्म को मिल रही जबरदस्त तारीफ: इस फिल्म के निर्माता अभिषेक अग्रवाल हैं। विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में कश्मीरी हिन्दुओं के नरसंहार और पलायन पर बनी यह फिल्म 11 मार्च को रिलीज हुई है और अनुपम खेर, पल्लवी जोशी एवं मिथुन चक्रवर्ती ने इसमें अभिनय किया है। फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस सबकी तारीफ मिल रही है। सोशल मीडिया पर भी इस फिल्म की खूब चर्चा हो रही है।

आंदोलन: फिर ट्रैक्टर पर चढ़ेंगे किसान

सोनीपत: संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक सोमवार को दिल्ली में हुई बैठक में दोबारा से किसान आंदोलन शुरू करने का फैसला हुआ। किसान नेता डा. दर्शनपाल ने बताया कि 21 मार्च को देश भर में रोष प्रदर्शन होगा। इसके बाद 25 मार्च को चंडीगढ़ से ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। एमएसपी को लेकर किसान एक सप्ताह तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े सभी संगठनों की बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि अगले महीने 11 से 17 अप्रैल के बीच एमएसपी की कानूनी गारंटी सप्ताह मना कर राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरूआत की जाएगी। इस सप्ताह के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े संगठन सभी किसानों को अपने कृषि उत्पाद पर स्वामीनाथन कमीशन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांग उठाते हुए धरना, प्रदर्शन, गोष्ठी का आयोजन करेंगे। मोर्चा से जुड़े नेताओं का कहना हे कि इसमें दोबारा से किसा आंदोलन शुरू करने पर चर्चा के बाद फैसला लिया जा सकता है। हालांकि पंजाब और यूपी में विधानसभा चुनाव के बाद एसकेएम से जुड़े करीब दर्जनभर किसान संगठन अब संघर्ष से किनारा करते नजर आ रहे हैं, वहीं भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा है कि वे एसकेएम के साथ हैं। दिल्ली बैठक पर अब सबकी निगाहें हैं।

मोर्चे ने भारत सरकार द्वारा 9 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा को दिए लिखित आश्वासनों की समीक्षा की और यह पाया कि 3 महीने बीत जाने के बाद भी सरकार ने अपने प्रमुख आश्वासनों पर कुछ भी नहीं किया है।

एमएसपी पर जो कमेटी बनाने का आश्वासन था उसका नामोनिशान भी नहीं है। हरियाणा को छोड़कर अन्य राज्यों में किसानों के खिलाफ आंदोलन के दौरान दर्ज केस वापस नहीं लिए गए हैं।

'रेल रोको की केसों के बारे में भी कुछ नही हुआ'

दिल्ली पुलिस ने कुछ केसों को आंशिक रूप से वापस लेने की बात कही है. लेकिन उसका भी कोई ठोस सूचना नहीं है। देशभर में रेल रोको की केसों के बारे में भी कुछ नही हुआ है।
लखीमपुर खेरी कांड पर सरकार की भूमिका और किसान आंदोलन को दिए आश्वासनों पर वादाखिलाफी के मुद्दे को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने 21 मार्च को देशभर में रोष प्रदर्शन आयोजित करने का निर्णय लिया है। 28 और 29 मार्च को ट्रेड यूनियन के भारत बंद के आह्वान को संयुक्त किसान मोर्चा ने समर्थन दिया। मोर्चा नेताओं ने कहा कि देश भर में किसान उसमें बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे।

योगी 2.0: अपर्णा, अदिति के नाम पर कयास

नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश में बंपर जीत के बाद योगी आदित्यनाथ का दिल्ली दौरा पूरा हो गया। दिल्ली दौरे के दौरान योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी समेत गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। इन मुलाकातों में ही उत्तर प्रदेश में बनने वाली सरकार की नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल की सूची के तकरीबन ज्यादातर नाम फाइनल कर दिए गए हैं। भाजपा सूत्रों के मुताबिक योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे ने तकरीबन उत्तर प्रदेश के नए मंत्रिमंडल की तस्वीर साफ कर दी है। सूत्र बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की शपथ के साथ में ही जिन मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी उसमें कई नाम चौंकाने वाले हो सकते हैं। भाजपा से जुड़े एक वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं कि योगी आदित्यनाथ के पिछले मंत्रिमंडल के कई सदस्य इस बार बाहर का रास्ता भी देख सकते हैं। हालांकि कुछ मंत्री तो चुनाव भी नहीं जीते हैं। सूत्रों का कहना है कि अनुमान तो यही लगाया जा रहा है योगी सरकार के पूर्व मंत्री जो इस बार चुनाव जीते हैं उनमें से कईयों को इस बार फिलहाल शुरूआती चरण में मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक अपने दो दिन के ताबड़तोड़ मुलाकातों के दौर में योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा के साथ मिलकर मंत्रिमंडल के चेहरों पर चर्चा की है।

लोकसभा की सदस्यता से भगवंत मान ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली: पंजाब के भावी मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। मान ने बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर उन्हें अपना त्यागपत्र सौंपा। पंजाब के संगरूर लोकसभा सीट से सांसद रहे भगवंत मान ने इस्तीफा देने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वह संसद को बहुत याद करेंगे। लेकिन पंजाब के लोगों ने एक नई जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके निर्वहन के लिए उन्हें पंजाब जाना होगा।

अब 12-14 साल के बच्चों का भी होगा वैक्सीनेशन

नई दिल्ली: कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए भारत सरकार ने अब 12-14 आयुवर्ग के बच्चों के लिए भी टीकाकरण की मंजूरी दे दी। बुधवार (16 मार्च) से इस आयु वाले बच्चों का भी वैक्सीनेशन शुरू हो जाएगा। अब तक 15 साल से अधिक आयु वाले बच्चों के टीकाकरण की ही अनुमति थी। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि 'बच्चे सुरक्षित हैं तो देश सुरक्षित है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए अब 12-14 साल की आयु वाले बच्चों का भी बुधवार से टीकाकरण शुरू किया जा रहा है। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन ही सबसे कारगर हथियार है। माता-पिता, अपने बच्चों का टीकाकरण जरूर कराएं।' भारत में 12-18 साल तक के बच्चों और किशोरों के लिए दूसरे वैक्सीन को भी आपातकालीन उपयोग को मंजूरी मिलीहै। अब बायोलॉजिकल ई लिमिटेड के कॉर्बेवैक्स वैक्सीन को भी बच्चों के लिए प्रयोग में लाया जा सकेगा। इससे पहले अब तक भारत बायोटेक की कोवाक्सिन को प्रयोग में लाया जा रहा था। वहीं जाइकोब-डी वैक्सीन को 15-18 साल की आयु वाले बच्चों के लिए आपातकालीन उपयोग को मंजूरी मिली थी। अब देश में 12-14 की आयु वाले बच्चों के लिए दो वैक्सीन हो गई हैं। अब तक देश में बच्चे के लिए भारत बायोटेक द्वारा तैयार की गई स्वदेशी वैक्सीन कोवाक्सिन प्रयोग में लाया जा रहा थी। अध्ययन में बच्चों में संक्रमण के मध्यम से लेकर गंभीर लक्षणों तक में इस वैक्सीन की प्रभाविकता करीब 78 फीसदी की पाई गई थी। यह निष्क्रिय वायरस पर आधारित कोविड-19 का टीका है।

सिख यात्री अब घरेलू उड़ानों में साथ ले जा सकेंगे कृपाण

नई दिल्ली: देशभर में सिख यात्री अब अपने धार्मिक प्रतीक कृपाण के साथ घरेलू उड़ानों में यात्रा कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने सिखों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए यह कदम उठाया है। भारत के भीतर भारतीय विमानों पर हवाई यात्रा करते समय ही यह अनुमति है। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को संशोधित आदेश की एक तस्वीर ट्वीट की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार व्यक्त किया। सिंह ने कहा कि हवाई अड्डे के सिख कर्मचारी और यात्री अब भारतीय हवाई अड्डों पर कृपाण ले जा सकते हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने इस मामले से संबंधित अपने पिछले आदेश को संशोधित किया है।

बांग्लादेशी आतंकियों का नया टारगेट एमपी

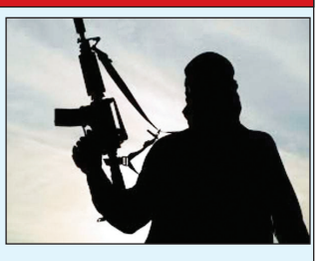

भोपाल: आतंकियों के निशाने पर अब मध्यप्रदेश है। ये खुलासा मध्यप्रदेश एटीएस के हाथ लगे आतंकी संगठन जमात-ए-मुजाहिद्दीन-बांग्लादेश के चार आतंकियों से पूछताछ में हुआ है। इन आतंकियों का टारगेट एमपी में अपने आतंकी संगठन का स्लीपर सेल नेटवर्क तैयार करना था ताकि भविष्य में यहां आतंकी हरकतों को अंजाम दिया जा सके। इसके लिए वे समुदाय विशेष के युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें खटइ में भर्ती करने के मिशन में जुटे थे।

आलिम के बहाने मदरसों के युवाओं का कर रहे थे ब्रेनवॉश: अपना नेटवर्क तैयार करने के लिए चारों आतंकियों ने धर्म का सहारा लेकर मस्जिद-मदरसों में पैठ बना ली थी, जहां वे आलिम के बहाने युवाओं से संपर्क कर रहे थे।

इसके अलावा ये आतंकी कॉलेज में पढ़ रहे युवक-युवतियों पर भी डोरे डाल रहे थे। वे अपने मंसूबे में कामयाब हो पाते, इससे पहले ही एटीएस ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए चारों आतंकियों का मंसूबा सिमी के बाद प्रदेश में नेटवर्क खड़ा करना था। नेटवर्क विस्तार के लिए बांग्लादेश से उनके आका सुनियोजित तरीके से इन्हें मदद पहुंचाते रहे। उनका मकसद स्थानीय युवाओं को संगठन में भर्ती कर उन्हें भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ इस्तेमाल करना था।

कोलकाता में पकड़े गए आतंकियों ने खोली थी पोल: राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जुलाई 2021 में कोलकाता से पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इनमें मुखिया नजीउर रहमान भी शामिल था।

एन चंद्रशेखरन के हाथ एयर इंडिया की कमान

नई दिल्ली: टाटा समूह की ओर से सोमवार को एक बड़ा एलान किया गया। दरअसल, एयर इंडिया के अध्यक्ष पद के लिए चल रही जद्दोजहद के बीच ग्रुप ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को आधिकारिक तौर पर एयरलाइन का नया अध्यक्ष चुना है। इस संबंध में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को हुई बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की नियुक्ति पर मुहर लगाई गई।

अयासी के इनकार के बाद फैसला: इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के पूर्व सीएमडी एलिस गीवर्गीस वैद्यन को भी बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल किया जाएगा।

भाजपा की जीत पर संसद में जश्न, भाजपा सांसदों ने लोकसभा में लगाए मोदी-मोदी के नारे

नई दिल्ली: संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन लोकसभा में मोदी-मोदी के नारे लगे। सोमवार को सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई। पीएम मोदी ने जैसे ही सदन में एंट्री ली, भाजपा सांसदों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। करीब 3 से चार मिनट तक भाजपा सांसदों ने जीत का जश्न मनाया और मेज बजाते रहे।

मोदी के लोकसभा में आने के समय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कैबिनेट के कई मंत्री सदन में मौजूद थे। इससे पहले, भाजपा सांसदों ने संसद परिसर में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीत की बधाई भी दी।

पांच में से चार राज्यों में भाजपा जीती: 10 मार्च को पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के परिणाम आए थे। ये राज्य हैं- उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर।

इनमें से पंजाब के अलावा सभी चार राज्यों में भाजपा ने जीत दर्ज की है। इस जीत के बाद गुरुवार शाम को दिल्ली भाजपा कार्यालय में जोरदार जश्न मनाया गया था। उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। लोग पूरे समय मोदी-मोदी के नारे लगाते रहे थे।

वित्त मंत्री ने जम्मू-कश्मीर का बजट पेश किया

जम्मू कश्मीर/नई दिल्ली: लोकसभा में बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू हो चुका है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का बजट पेश कर दिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के विकास लिए और अधिक फंड के डिमांड को मंजूरी दी। इससे पहले वित्त मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के विकास में होने वाले खर्चों को लेखा-जोखा पेश किया। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर का ये तीसरा बजट है। इससे पहले 17 मार्च 2021 को प्रदेश का दूसरा बजट पेश किया गया। 370 और 35ए हटने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहला बजट फरवरी 2020 में पेश किया था। बजट से पहले भाजपा सांसद सदन में काफी उत्साहित दिखे। सांसदों ने पीएम मोदी का जोरदार स्वागत किया।

27 मार्च से पूरी क्षमता के साथ शुरू होंगी अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ान सेवाएं

नई दिल्ली: देश में सभी अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान सेवाएं 27 मार्च से दोबारा शुरू हो जाएंगी, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को राज्यसभा में यह जानकारी दी। सिंधिया ने यह घोषणा प्रश्नकाल के दौरान की जब एक महीने के अंतराल के बाद बजट सत्र के दूसरे भाग के लिए राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई। सिंधिया ने कहा कि सभी नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 27 मार्च से 100 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित होंगी क्योंकि भारत में कोरोना वायरस की स्थिति में अब सुधार हुआ है।

दो वर्षों तक रहा था उड़ानों पर प्रतिबंध: सरकार ने 23 मार्च, 2020 से एक सप्ताह के लिए सभी अंतरराष्ट्रीय निर्धारित उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया था। लगातार बढ़ती महामारी के बीच यह प्रतिबंध लगभग दो वर्षों तक बढ़ा। हालांकि, एयर बबल के तहत जुलाई 2020 से भारत और लगभग 35 अन्य देशों के बीच विशेष अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित हो रही हैं। सरकार के इस कदम से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और इससे हवाई किराए को कम करने में मदद मिलेगी, जो कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण बढ़ रही है।

सरकार ने पहले 15 मार्च को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए शुरू की गई राहत उड़ानों के कारण इसमें देरी हुई।

एयरलाइंस कंपनियों को मिलेगी राहत: नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने घोषणा की कि हाल ही में दुनिया भर में बढ़े हुए टीकाकरण कार्यक्रम को मान्यता देने के बाद और तमाम पक्षों से सलाह के बाद भारत सरकार ने 27 मार्च से भारत के लिए और यहां से निर्धारित कमर्शियल अंतरराष्ट्रीय यात्री सेवाओं को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। एयरलाइंस के लिए यह एक बहुत जरूरी राहत है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय परिचालन को फिर से शुरू करने का मतलब है कि वे बड़े क्षेत्रों में विमान सेवाएं दे पाएंगे जिससे उनके विमानों का बेहतर उपयोग होगा। वे अपने राजस्व में भी सुधार कर पाएंगे क्योंकि घरेलू मार्गों की तुलना में अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में किराया अधिक है।

महंगी हुई मैगी: 12 रुपए का पैक अब 14 रुपए का

नई दिल्ली: महंगाई का तड़का अब आपकी मैगी को भी लग गया है। इसे बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया ने मैगी के छोटे पैक की कीमत 12 रुपए से बढ़कर 14 रुपए कर ही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिंदुस्तान यूनीलिवर और नेस्ले ने चाय, कॉफी और मिल्क की कीमतें 14 मार्च से बढ़ा दी हैं। हिंदुस्तान यूनीलिवर ने कहा है कि लागत बढ़ने की वजह से इन चीजों के दाम बढ़ाए गए हैं।

मैगी के अलग-अलग पैक 9 से 16% तक महंगे: नेस्ले इंडिया ने ऐलान किया कि उसने मैगी की कीमतें 9 से 16% तक बढ़ा दी हैं। नेस्ले इंडिया ने मिल्क और कॉफी पाउडर की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। कीमतें बढ़ाने के बाद अब 70 ग्राम मैगी के एक पैकेट के लिए 12 रुपए के बजाय 14 रुपए चुकाना होगा। वहीं 140 ग्राम वाले मैगी मसाला नूडल्स की कीमत 3 रुपए यानी 12.5% बढ़ दई गई है। जबकि अब मैगी के 560 ग्राम वाले पैक के लिए 96 रुपए के बजाय 105 रुपए चुकाना होंगे। इस हिसाब से इसका दाम 9.4% बढ़ा है। नेस्ले ने एक लीटर वाले ए+ मिल्क की कीमतें भी बढ़ा दी हैं।

खबर संक्षेप

घर में घुस कर मारा पीटा और तोड फोड की गई मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर पडोसी घर में घुस कर मारे पीटे जिसमें कई घायल हुए हैं । पुलिस ने आठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिसवां निवासी अमृत लाल पटेल पुत्र जगन्नाथ का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर पडोसी घर में घुस कर उसे और परिवार के अन्य सदस्यों को मारे पीटे और जान से मारने की धमकी देते हुए जमकर तोड फोड किए । अमृत लाल पटेल ने मऊआइमा थाने में सर्वेश कुमार ,रोहित कुमार, राकेश कुमार, मुंसी लाल ,इन्द्र राज ,फूलकली ,शांति देवी ,मालती देवी तथा अन्य अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है । पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है ।

बारा क्षेत्र में नहीं रुक रहे चोरी के वारदात

लालापुर। बारा थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरो का आतंक चोरी के वारदात रुकने का नहीं ले रहा है अन्जाम पुलिस के मजहब कुछ ही दूर पर चोरी का दिया जा रहा है। अन्जाम एक ही रात में हो रही है कई जगह पर चोरी बताते चले की थाना से मात्र एक किलो मीटर की दूरी पर चोरों का आतंक इतना ज्यादा है कि आये दिन किसी न किसी के घर के अंदर बाहर से सामन को चोरी से सफाया करते रहते है। दो तीन वर्ष पहले दिनेश केशरवानी रिगवा की लगभग 6 बीघे की बाउंड्री के पीलर की सरिया चोरों ने निशंक होकर काटी। उसकेबाद जैसे खर्चा वर्चा कम हुआ तो योगेश बिहार बघलाबाध के पीलर की सरिया कट ले गये । फिर? खर्चे में कमी दिखी तो नीरज शुक्ला रिगवा के बाउन्डी पीलर की सरिया कट ले गए फिर लगा की ?पैसे की जरुरत है तो चोरो ने बबलू पाण्डेय के घर रिगवा में ताला तोड़ लाखों का सामान लूट ले गये। कुछ दिन बाद दुबारा निमार्णाधीन मकान के पीलर पर चढ़कर नीरज शुक्ला की सरिया काट लें गये इतना हि नहीं सोमनाथ बिन्द के टुल्लू बहादुर बिन्द के घर पर भी चोरी की और फिर रामचन्द्र बिन्द का हैन्डपम्प खोल ले गये सोमवार रात फिर तीसरी बार निमार्णाधीन मकान में से लोहे की सीढ़ी प्लाई एवं बल्ली वह फर्मा चोरों ने सफाया कर दिया। इसी तरह के चोरी के वारदात होते रहे तो लोगों को पुलिस से भरोसा उठ जायेगा। क्षेत्रीय लोगों का कहना भी है कि यदि चोरो पर पुलिस अंकुश नहीं लगायी तो अभी तो रात में चोरी ही करते हैं साथ मे हत्या भी करना शुरू कर देंगे।

खतरनाक मांझे से स्कूटी सवार शिक्षिका की गर्दन कटी

घायल शिक्षिका निशा पांडेय

अखंड भारत संदेश

शिक्षिका के गर्दन में लगे हैं 12 टांके

यमुना बैंक रोड पर बोट क्लब के पास हुआ ये वाकया

प्रयागराज। प्रशासन की लचर व्यवस्था और जिम्मेदार अफसरों की लापरवाही के चलते खतरनाक मांझा लगातार लोगों के लिए घातक साबित हो रहा है। अब इस मांझे की चपेट में आने से शिक्षिका निशा पांडेय का गला जख्मी हो गया बस गनीमत यह रही कि उनकी जान बच गई। अलोपीबाग निवासिनी निशा पांडेय रविवार को स्कूटी पर बोट क्लब मार्ग से होकर कल्याणी देवी मोहल्ले में अपनी एक परिचित के घर जा रही थीं। वह स्कूटी चला रही थीं। पीछे उनकी पुत्री कंजिका बैठी थी। बोट क्लब के पास पंतग का मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। जब तक में वह स्कूटी रोकतीं, उनका गला जख़्मी हो गया। खून बहता देख बेटी परेशान हो गई। कंजिका ने दुपट्टे से मां के गले से बह रहे खून को रोकने का प्रयास किया लेकिन रक्तस्राव होता रहा। कंजिका अपनी मां को तत्काल गऊघाट, मुट्ठीगंज स्थित ले गई जहा उन्हें 12 टांके लगाये गये। निशा पांडेय भाषाविज्ञानी और समीक्षक आचार्य पं० पृथ्वीनाथ पाण्डेय की पत्नी हैं। वह थरवई स्थित स्वामी विवेकानन्द हायर सेकण्डरी स्कूल मे शारीरिक शिक्षिका हैं। घटना के समय उनके पति हिन्दी साहित्य सम्मेलन के वार्षिक अधिवेशन में थे। इससे पहले भी चाइनीज मांझा की चपेट में आने से महिला रेलवे कर्मचारी और एक युवक समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि घायल तो अनगिनत लोग हो चुके हैं। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन प्रतिबंधित मांझा की बिक्री और प्रयोग पर रोक नही लगा पा रहा है।इस घटना के बाद निशा की बेटी कंजिका ने मांग की है कि आरोपित पतंगबाज को पकड़कर उससे या फिर उनके मां-बाप से पांच हजार रुपये का आर्थिक दंड लेते हुए कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाए। उधर, थानाध्यक्ष कीडगंज मनोज यादव का कहना है घटना के बारे में किसी ने शिकायत नही की है। उनका परिवार इस घटना से दहल गया क्योंकि चाइनीज मंझा कई लोगों की जान ले चुका है। पुलिस-प्रशासन इसकी बिक्री पर रोक लगाने में नाकाम रहा है।

मेजा पुलिस ने वंछित आरोपी को को धर दबोचा

सिरसा। मेजा पुलिस ने एक नफर वांछित आरोपी को धर दबोचा और न्यायालय भेज दिया। बता दें कि सोमवार को कोतवाल मेजा तुषारदत्त त्यागी के नेतृत्व में दरोगा हरिश्चन्द्र शर्मा चौकी प्रभारी सिरसा पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र के मेजारोड बाजार से एक नफर वांछित आरोपी नीरज कुमार कनौजिया पुत्र रामचन्द्र कनौजिया निवासी चिलबिला, शुकुलपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। कोतवाल ने बताया कि उक्त वांछित आरोपी के खिलाफ 94/22 धारा 363/506 भादवि व 16/17 पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज है।

न्यूज झरोखा- महिला दिवस

प्रधानाचार्य ने यूपी बोर्ड की परीक्षार्थियों को तिलक लगाकर विद्यालय से की विदाई

करछना। क्षेत्र के शिवमंगल ग्रामोदय इंटर कॉलेज मड़वा में सोमवार को कक्षा 12 के छात्र व छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित हुआ । जिसमें यूपी बोर्ड के परीक्षार्थियों ने आपस में तिलक लगाकर एक दूसरे से गले भी लगे। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य अतुल कुमार त्रिपाठी ने यूपी बोर्ड के छात्र व छात्राओं को शुभ आशीर्वाद दिया। और उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की । रसायन विज्ञान के शिक्षक राहुल सिंह राणा ने बच्चों को आशीर्वचन देते हुए कहा की मैं कामना करता हूं कि सभी बच्चे अच्छे अंक प्राप्त करके अपने माता पिता समेत अपने गुरुजनों और विद्यालय का गौरव बढ़ाएं। वही विदाई समारोह में छात्रों की आंखें नम हो गई । साथ ही साथ विद्यालय परिवार की ओर से एक दूसरे का मुंह भी मीठा कराया गया। इस मौके पर कालेज के प्रबंधक देवी प्रसाद यादव सहित विद्यालय के सभी शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

गंगा जमुना तट पर चला सफाई अभियान

नैनी। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से एक बार फिर अरैल के नए पक्के घाट के गंगा यमुना तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। वहीं लोगों से गंगा यमुना सरस्वती के तटों पर स्वच्छता के प्रति जागरूक होने की अपील की गई। इस दौरान आत्म प्रकाश यादव, सुनीता द्विवेद्वी, संतोष तिवारी, कुंवर जी तिवारी व धीरज यादव समेत कई लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक चालक की लापरवाही से हुआ था एक्सीडेंट इलाज के दौरान 6 दिन बाद मौत

लालापुर। बारा थाना अन्तर्गत निकट पांण्डर गांव के समीप 8 मार्च को कौशलकिशोर द्विवेदी पिता स्वर्गीय बद्रीप्रसाद द्विवेदी निवास पूरेकिन्नर थाना लालापुर अपने बेटे सर्वेश द्विवेदी के साथ लोहगरा से अपने घर को आ रहे थे जसरा की तरफ से आ रही ट्रक चालक की लापरवाही से बाइक से टक्कर हो गयी ट्रक चालक ट्रक के साथ फरार हो गया आनन फानन में ग्रामीण की मद्द से एम्बुलेंस से जसरा सी एच सी ले जाया गया हालत गंभीर होने की वजह से स्वरूप रानी रेफर कर दिया गया हालत नाजुक बनी रही जिसकी वजह से प्रयागराज के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था जहां 14 मार्च को इलाज के दौरान डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया एक्सीडेंट करके फरार ट्रक की पहचान पांण्डर टोल प्लाजा के फुटेज में कर ली गयी है।

कौड़िहार बीआरसी में लगाई गई नारी शिक्षा चौपाल

अखंड भारत संदेश

मिशन शक्ति के तहत आयोजित हुआ ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम, अतिथि के रूप में शामिल हुए पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडे, प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

कौड़िहार बीआरसी में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुभारंभ करते पूर्व विधायक प्रभा शंकर व खंड शिक्षाधिकारी ओपी मिश्रा।

कौड़िहार बीआरसी में आयोजित कार्यक्रम में ग्रुपिंग फोटो।

लालगोपालगंज। मिशन शक्ति के तहत नारी सम्मान और नारी आत्मरक्षा पर आधारित कार्यक्रम आयोजित हुआ। आत्मरक्षा प्रशिक्षण से प्रशिक्षित बालिकाओं ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। समस्त संकुल द्वारा पोस्टर आर्ट क्राफ्ट गैलरी निर्माण की शानदार प्रदर्शनी लगाई। जिसका अतिथियों ने जहां अवलोकन किया। वहीं मीना मंच तथा पावर एंजेल द्वारा नुक्कड़ नाटक और पपेट शो के सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

कौड़िहार ब्लॉक संसाधन केंद्र पर सोमवार को नारी शिक्षा चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नारी एक, रूप अनेक के अंतर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वालंबन पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडे मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। खंड शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा और पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडे ने सरस्वती मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के साथ ही छात्राओं के सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पोस्टर आर्ट क्राफ्ट गैलरी निर्माण की विभिन्न विद्यालयों ने प्रदर्शनी लगाई। मीना मंच तथा पावर एंजेल द्वारा नुक्कड़ नाटक और पपेट शो का प्रदर्शन किया गया। बालिकाओं द्वारा आत्मरक्षा के कौशलों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडे ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा सरकार ने पहले ही दिया है। नारियों में बहादुरी के तमाम कौशल छिपे हैं। बस उन्हें निखारने की जरूरत है। हर गांव में रानी लक्ष्मीबाई जैसे बहादुर बेटियां आज भी जन्म ले रही हैं। खंड शिक्षाधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने कहा कि बेटियों को शिक्षित कर उन्हें अवसर प्रदान किया जाए। आपसी भेदभाव को पूर्ण रूप से समाप्त करने की आवश्यकता है। बेटियां हर मैदान में आज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर बाजी मार रही हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रभा शंकर शर्मा ने किया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष राधे कृष्ण, मंत्री बालेंद्र पांडे, एआरपी जय सिंह, विष्णु मिश्रा, अजमल अमीन, अवनीश सिंह, विनीत सिंह, मदन शुक्ला, इमरान कलीम, अनुपम सिंह सुमन वर्मा सोनी यादव आदि तमाम शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

क्षेत्र में चोरों का गैंग हुआ सक्रिय आए दिन हो रही वारदात

अखंड भारत संदेश

सीसीटीवी फुटेज में मौजूद चोर

मेजा रोड। क्षेत्र में चोर उचक्को का गिरोह पूरी तरीके से सक्रिय है चोर उचक्के को तनिक भी कानून का भय नहीं रहा जो बिना खौफ के आए दिन क्षेत्र में घटना को अंजाम दिए चले जा रहे हैं। बता दें कि मेजा थाना क्षेत्र के सिरसा पुलिस चौकी अंतर्गत चौकी से महज 50 मीटर की दूरी पर पिंटू सेठ निवासी सिरसा जय मां वैष्णो इंटरप्राइजेज के नाम से दुकान खोल रखी है। तहरीर के अनुसार रविवार की शाम उच्चको के द्वारा दो सिलाई मशीन को उनकी दुकान से पार कर दिया गया। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई कैमरे में साफ साफ देखा जा रहा है कि एक उच्चका बाइक लेकर दुकान के बाहर खड़ा है तथा दूसरा उच्चका आराम से दुकान से सिलाई दो मशीन को लेकर बाइक पर बैठकर बड़े ही आसानी से निकल जाता है। वही पीड़ित के द्वारा सिरसा चौकी पर तहरीर देकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की गई है। हौसला बुलंद उचक्को के द्वारा चौकी से महज 50 मीटर की दूरी पर घटना को अंजाम दिए जाने को लेकर व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है।

सामाजिक कार्य के लिए हवन पूजन भी जरुरी : विपेन्द्र पटेल

सहसों। समाज में रहकर सामाजिक कार्य करने के लिए ईश्वर को स्मरण कर पूजा पाठ हवन इत्यादि अति आवश्यक है। फूलपुर ब्लॉक प्रमुख विपेन्द्र पटेल ने सोमवार को सहसों स्थित आर डी सिंह कांप्लेक्स में पूजन- हवन किया। इसके पश्चात फीता काटकर फूलपुर ब्लॉक प्रमुख ने क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोक कल्याण की भावना से ही समाज में रहकर व्यवसायिक कार्य, सामाजिक कार्य इत्यादि का काम करना चाहिए। इसके लिए हवन व पूजन पाठ भी आवश्यक है। मौके पर उपस्थित भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव व भूमि विकास बैंक फूलपुर के अध्यक्ष वीरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि समाज के लिए हमेशा सकारात्मक कार्य करना चाहिए। समाज को आगे बढ़ाने के लिए कुछ न कुछ अच्छे कार्य सदैव करते रहना चाहिए। इस मौके पर व्यवसाई राम विशाल सिंह, बलवंत सिंह, राम सिंह पटेल, शिव बाबू गुप्ता, जितेंद्र पटेल, आलोक सिंह सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

समर्थ फिरता हूं शान से सिर्फ मां की दुवाओ का असर है : संतोष शुक्ल

अखंड भारत संदेश

लोहदी में आयोजित कवि सम्मेलन में सम्मानित किए गए कवि एवं कलाकार

कवि सम्मेलन में सम्मानित किए जाते कवि एवं कलाकार

करछना। के लोहदी गांव में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन रविवार शाम को आयोजित हुआ। सम्मेलन में मौजूद कवियों व गीतकारो ने खूब जलवे बिखेरे। वही श्रोता लोग तालियों की गड़गड़ाहट से कवियों व गीत कारों का उत्साह वर्धन करते रहे। आमंत्रित कवियों में संतोष शुक्ला ने अपनी रचनाओं में कहा कि बनकर समर्थ जो आज फिरता हूं शान से यह सिर्फ मेरी मां का दुआओं का असर है। कवि अजय प्रेमी ने वंदे मातरम गीत की प्रस्तुति दी। राजकरण कवि ने देश तेरा भी देश मेरा भी है। हममें ही कोई फिर क्यों लुटेरा भी है । नामक गीत पर जमकर तालियां बटोर ते हुए खूब वाहवाही लूटी। वाराणसी से चलकर आई कवियित्री विभा शुक्ला के चली जाब नैहर देखत रह जैबै। गीत पर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच पर मौजूद हास्य कवि लाल जी देहाती ने का उखाड़ लेब कविता पर खूब ठहाके भी लगवाए। सम्मेलन के संयोजक व गीतकार विपिन बिहारी त्रिपाठी ने अपने मित्रों के प्रति समर्पित गीत तुम अभी भी याद आते हो। मे सभी की प्रशंसा पाई । गीत पर भी खूब तालियां बटोरी । वहीं युवा कवि उज्जवल मिश्र ने भी अपनी प्रस्तुति पर खूब वाहवाही लूटी । कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष अधिवक्ता कृष्ण बिहारी तिवारी ने किया। इस मौके पर त्रिभुवन नाथ शुक्ल डायरेक्टर निखिल कुमार शर्मा अंकित ताडकेश्वर तिवारी प्राण नाथ त्रिपाठी कमला शंकर तिवारी लक्ष्मी कांत शुक्ला श्याम नारायण तिवारी राजेंद्र शुक्ला सुशील ओझा जितेंद्र तिवारी संदीप तिवारी निशू ओझा आदि मौजूद रहे।

18वीं पुण्य तिथि पर याद किये गये स्वामी अमृतानंद

आज भी ज्योति मंदिर में जलती है अखंड ज्योति

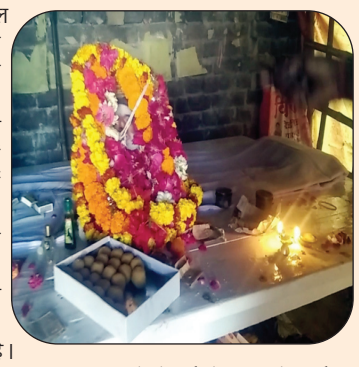

मेजा रोड। बाजार के पटेल नगर चौराहे के पास स्थित ज्योति मंदिर में वर्षों से जलती आ रही है आस्था की ज्योति। गौरतलब हो कि पटेल नगर चौराहे के समीप बने मंदिर में आस्था की ज्योति जलाई जाती है जो 24 घंटे चलती है। हर शनिवार को भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें प्रसाद के रूप में मंदिर में पहुंचने वाले भक्तों को बाटी-चोखे का प्रसाद दिया जाता है। बता दें कि तीन दशक पूर्व यहां पर एक बाबा आते थे, जो केवल सफेद धोती पहनते थे तथा उसी धोती को अपने शरीर से लपेटे रखते थे। स्थानीय लोगों की माने तो आशीर्वाद के रूप में खुश होकर वह किसी को एक रुपए का सिक्का दे-देते थे, जिसे लोग उन्हें प्रसाद समझकर अपने पास संभाल कर रखे थे। लोगों की माने तो उनकी भविष्यवाणी कभी भी गलत नहीं होती थी, जिसको जो आशीर्वाद या जो भविष्यवाणी कर देते थे वह जरूर सत्य हो जाती थी। स्वामी जी कभी भी किसी से कुछ लेते नहीं थे, कभी कभार किसी भक्त से बीड़ी जरूर मांग लेते थे। स्वामीजी भक्तों को एक सिक्का खुश होने पर देते थे। उन्हीं स्वामी अमृतानंद महाराज जी की आज 18वीं पुण्यतिथि मनाई जा रही है। उसी के उपलक्ष में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जहां प्रसाद लेने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही।

अल्लापुर में कार और बाइक आग से जली

प्रयागराज। बजरंग चौराहे के पास रहने वाले दिलीप गिरी की कार और बाइक में किसी ने आग लगा दी। सोमवार तड़के जब आग लगने की सूचना मिली तो मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार और बाइक पूरी तरीके से जल चुकी थी। इस मामले में दिलीप ने जॉर्ज टाउन पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। उन्हें शक है कि किसी ने साजिश के तहत कार में आग लगाई थी। पुलिस को बताया कि रविवार की रात परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। सुबह करीब 4:00 बजे के बाद टायर फटने की आवाज आई। धमाका इतना तेज हुआ कि उनकी नींद खुल गई । परिजन बाहर निकले तो परिसर में खड़ी कार और बाइक आग से धू-धू कर जल रही थी। आग की लपटें बढ़ती जा रही थी। तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। लोग घर से बाहर निकाल आए। दिलीप का कहना है कि अचानक वाहन में अपने से आग नहीं लग जाएगी। किसी ने साजिश के तहत आग लगाई है। जॉर्ज टाउन पुलिस छानबीन कर रही है।

परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की : आराधना शास्त्री

प्रतापपुर। शिव सेवा समिति वरुणेश्वर महादेव धाम बरना प्रांगण में आयोजित सार्वजनिक भागवत कथा में कथावाचिका आराधना शास्त्री अयोध्या ने कहा कि जब-जब भी धरती पर आसुरी शक्ति हावी हुईं, परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की। मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रुप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाते हुए कथावाचिका ने श्रद्धालुओं के बीच भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए चौथे दिवस वर्णन किया।कहा कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है। जब भी हमें यह सुअवसर मिले, इसका सदुपयोग करना चाहिए। कथा सुनते हुए उसी के अनुसार कार्य करें। कथा का सुनना तभी सार्थक होगा जब उसके बताए हुए मार्ग पर चलकर परमार्थ का काम करें। उन्होंने रामकथा का संक्षिप्त में वर्णन करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने धरती को राक्षसों से मुक्त करने के लिए अवतार धारण किया। कथा में कृष्ण जन्म का वर्णन होने पर समूचा पांडाल खुशी से झूम उठा। मौजूद श्रद्धालु भगवान कृष्ण के जय जयकार के साथ झूमकर कृष्ण जन्म की खुशियां मनाई। कथा सुनने के लिए आसपास गांव से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।इस अवसर पर अमरनाथ यादव, दिलीप यादव, राज सोनी, सुरेशचन्द्र विश्वकर्मा, समरजीत मौर्य, पृथ्वीपाल यादव, आलोक सिंह, कमलेश मौर्य, अनूप जायसवाल सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है : बालकृष्णाचार्य

धनूपुर। हरिपुर मिश्रपुर गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष पर प्रकाश डालते हुए कथा वाचक बालकृष्णाचार्य महाराज मुंबई ने श्रीमद्भागवत कथा का समापन करते हुए कई कथाओं का भक्तों को श्रवण कराया जिसमें प्रभु श्रीकृष्ण के 16 हजार शादियों के प्रसंग के साथ, कृष्ण सुदामा प्रसंग और परीक्षित मोक्ष की कथायें सुनाई। इन कथाओं को सुनकर सभी भक्त भाव विभोर हो गए। कथा समापन के दौरान महाराज ने भक्तों को भागवत को अपने जीवन में उतारने की बात कही जिससे सभी लोग धर्म की ओर अग्रसर हो। कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। साथ ही भक्तो को बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है तो वहीं इसे कराने वाले भी पुण्य के भागी होते है।आयोजक अरुण कुमार तिवारी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया इस अवसर पर यजमान वशिष्ठ नारायण तिवारी, संतोषी देवी, भाजपा नेता अवधेश कुमार तिवारी, प्रेम शंकर तिवारी, बालकृष्ण तिवारी, पप्पू तिवारी, विनोद, रविंद्र, पंकज, डब्बू, सुमित तिवारी शिवम तिवारी विकास, नीरज, अजय, धीरज, गिरजा शंकर तिवारी सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मार्च के दूसरे पखवाड़े में 7 दिन बंद रहेंगे बैंक

प्रयागराज। मार्च के दूसरे पखवाड़े में सरकारी बैंकों से ऑफलाइन लेनदेन करने वालों के समक्ष दिक्कत हो सकती है। 17 मार्च से 29 मार्च के मध्य सरकारी बैंकों में कामकाज नहीं होगा। 17 व 18 मार्च को बैंकों में होली का अवकाश रहेगा। 19 मार्च को बैंक खुलेंगे। 20 मार्च को बैंकों में साप्ताहिक अवकाश होगा। 26 मार्च को चौथे शनिवार तथा 27 मार्च को रविवार का अवकाश होगा। 28 और 29 मार्च को सभी सरकारी बैंक कर्मचारी ट्रेड यूनियनों के साथ भारत बंद में शामिल होंगे। भारत बंद के दोनों दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। बंदी के दौरान ऑनलाइन लेनदेन जारी रहेगा।

होली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

अवैध शराब की बिक्री किसी भी दशा में न हो, बिना अनुमति न हो डीजे का संचालन,नगर निगम तथा ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के भी डीएम ने दिए निर्देश

संगम सभागार में होली पर्व को लेकर बैठक करते जिलाधिकारी एवं एसएसपी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने होली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत सोमवार को संगम सभागार में बैठक की। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक को होली के दृष्टिगत अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण करने के लिए कहा है। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मार्गों पर जो भी तार जर्जर है, पोल तथा ट्रांसफार्मर खराब है, उन्हे तत्काल बदल दे। उन्होंने आबकारी विभाग को निर्देशित किया है कि संयुक्त टीम बनाकर छापेमारी आदि की कार्यवाही सुनिश्चित करें। कहीं पर भी अवैध शराब आदि की बिक्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में साफ-सफाई, छिड़काव तथा पानी आदि की व्यवस्था दुरूस्त करा ली जाये तथा नगर पंचायतों के अधिशाषी अधिकारी भी ये सुनिश्चित कर लें कि साफ-सफाई, पानी आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित रहे। उन्होंने अभिहित अधिकारी (फूड आफिसर) को निर्देशित किया है कि त्यौहारों के समय खाद्य पदार्थों पर विशेष निगरानी रखे, किसी भी दशा में मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री न होने पाये, मिलावटी खाद्य-पदार्थों की बिक्री करने वालो पर कड़ी कार्यवाही की जाये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि बिना अनुमति के डीजे न चलाया जाये तथा मानक के अनुसार ही डीजे का संचालन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया है कि होली के दृष्टिगत सभी अस्पतालों में डॉक्टर, एम्बुलेंस तथा दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित रहें। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देशित किया है कि ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई की व्यवस्था तथा जहां पर भी पानी की टंकीयां है, उसकी साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये है। उन्होंने नगर निगम को होलिका दहन स्थल के आस-पास तथा शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी क्षेत्राधिकारियों तथा थानाध्यक्षों को असामाजिक तत्वों के ऊपर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर मदन कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय सहित सभी अपर जिलाधिकारीगण, एस0पी0 सिटी, एस0पी0 गंगापार, उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारीगणों सहित पुलिस के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

68500 शिक्षक भर्ती मामले में याचियों को मनपसंद जिला आवंटन करने का निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 68500 शिक्षक भर्ती मामले में याचियों को उनकी पंसद का जिला आवंटित करने निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि बेसिक शिक्षा सचिव सात अप्रैल तक कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए मुकदमें की अगली तिथि 11 अप्रैल 2022 को रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने धर्मेंद्र सिंह व 24 अन्य की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।कोर्ट के समक्ष याचियों की ओर से तर्क दिया गया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी करने केबाद बेसिक शिक्षा सचिव ने याचिओं को उनके मनपसंद जिले (प्रथम तीन) में भेजने की बजाय दूसरे जिलों में तैनात कर दिया। याचियों ने सचिव के आदेश को हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती दी थी।

पूर्व में कोर्ट के आदेश का नहीं किया गया अनुपालन

कोर्ट ने अपने 14 सितंबर 2021 के आदेश में बेसिक शिक्षा सचिव को 14 जनवरी 2022 तक याचियों को उनके मनपसंद जिले में तैनाती का आदेश दिया था। लेकिन उसका आज तक अनुपालन नहीं हुआ। कोर्ट ने इस संबंध में जानकारी तलब की थी। सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकारी अधिवक्ता ने कोर्ट को आदेश के अनुपालन के संबंध की जानकारी मुहैया कराई इसके साथ ही कोर्ट का आदेश अनुपालन कराने केलिए दो सप्ताह का समय मांगा। इस पर कोर्ट ने उन्हें तीन सप्ताह का समय देते हुए मामले की सुनवाई केलिए 11 अप्रैल 2022 की तिथि निर्धारित की है। कोर्ट के समक्ष याचियों की ओर से तर्क दिया गया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी करने केबाद बेसिक शिक्षा सचिव ने याचिओं को उनके मनपसंद जिले (प्रथम तीन) में भेजने की बजाय दूसरे जिलों में तैनात कर दिया। याचियों ने सचिव के आदेश को हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती दी थी।

मेजा ऊर्जा निगम ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

रक्तदान केवल किसी को रक्त देने का कार्य नहीं, आपके जिंदगी के यह पंद्रह मिनट किसी की पूरी जिंदगी बचा सकती है : श्री अनिल कुमार

आरोग्य अस्पताल में ब्लड देते स्वयंसेवक

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम ने सोमवार को एस.आर.एन. अस्पताल और एम.एल.एन मेडिकल कॉलेज के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का आयोजन आरोग्यम अस्पताल में किया गया। रक्तदान शिविर में 30 से अधिक स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया और एकत्रित रक्त इकाइयों को आपातकालीन उद्देश्य के लिए ब्लड बैंक में रखा गया।सभी रक्तदातों ने ऊर्जा निगम के द्वारा की गई इस पहल के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि अनिल कुमार (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेजा ऊर्जा निगम) ने रक्तदान शिविर का उद्घघाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने सभी रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रक्तदान केवल किसी को रक्त देने का कार्य नहीं है, यह आपके उदार मनोभावना को प्रदर्शित करता करता है। आपकी जिंदगी के ये पंद्रह मिनट किसी की पूरी जिंदगी बचा सकती हैं। रक्तदान शिविर में डॉ. भवनीश समन, सीएमओ आरोग्यमअस्पताल, श्रीमती. अनुराधा शर्मा, अध्यक्षा अपराजिता महिला समाज सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लड बैंक में 50 साल की महिला ने किया रक्तदान

प्रयागराज। महमदपुर तिलईबाजार की रहने वाली मीना दुबे की। वह सोमवार की शाम बेली ब्लड बैंक में पहुंचती हैं। वहां मुलाकात होती है ब्लड बैंक के फार्मासिस्ट हेमंत शुक्ला और सुशील चतुवेर्दी से। पूछा-माता जी ब्लड किसके लिए देने आई हैं। मीना ने तपाक से जवाब- डॉक्टर साहब, हमें जल्दी से ब्लड दे दीजिए हम अपनी बहू के लिए ब्लड लेने के लिए आए हैं। पूछने पर बताया कि, बहू गर्भवती है और डॉक्टर ने अर्जेंट ब्लड मांगा है। ब्लड देने के लिए कोई है नहीं इसलिए मैं ब्लड देने के लिए यहां आई हूं। ब्लड बैंक के कर्मचारियों ने तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण किया और ब्लड निकाला। 20 मिनट के अंदर ब्लड दिया गया।बातचीत के दौरान मीना देवी ने बताया कि बहू आज खतरे में है और बेटा ड्यूटी में है। इस समय मैं ही बहू की गार्जियन हूं। इसलिए मैं बहू के लिए ब्लड देने आई हूं।

मैं सांस नहीं पहले एक मां हूं : मीना दुबे ने कहा कि मैं सास नहीं एक मां हूं। बहू को मैं अपनी बेटी मानती हूं। बेटा रवि दुबे नंदगांव भिलाई में आरपीएफ में तैनात हैं। सुबह अचानक बहू को प्रसव पीड़ा होने पर वह उसे लेकर फाफामऊ के एक अस्पताल पहुंची थीं। डॉक्टर ने कहा कि आपरेशन करना होगा इसके लिए एक यूनिट ब्लड की आवश्यकता होगी। मीना देवी खुद पूछते-पूछते बेली ब्लड बैंक पहुंची और वहां अपना ब्लड देकर बहू के लिए ब्लड ले गईं।

होरी खेलै मदन गोपाल हो बोलो सा रा रा रा .....

इफको फूलपुर व आकाशवाणी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुई लोक संगीत संध्या

अखंड भारत संदेश

इफको में मुक्ताकाशी मंच पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार

फूलपुर। इफको फूलपुर के मुक्ताकाश मंच पर आकाशवाणी इलाहाबाद और इफको के संयुक्त तत्वाधान में होली के रंग इफको के संग के अंतर्गत आकाशवाणी इलाहाबाद द्वारा आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष लोक संगीत संध्या में लोक कलाकारों ने लोक प्रस्तुतियों के कई रंग बिखेरे ' सर्वप्रथम इफको के इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया आकाशवाणी इलाहाबाद के निदेशक लोकेश शुक्ल तथा आकाशवाणी इलाहाबाद के केंद्रअध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण किया ' अधिकारियों के संक्षिप्त उद्बोधन के उपरांत लोक संगीत संध्या की शुरूआत में आकाशवाणी इलाहाबाद की लोक कलाकार मल्लिका चटर्जी प्रतिमा मिश्रा रंजना त्रिपाठी और रश्मि भारतीय ने समवेत रूप से खेलो भौजी से रंगनवा ननद ल लहूरी के लोक गायन की सफल प्रस्तुति की , इस प्रस्तुति के बाद लोक कलाकार उमेश चंद कनौजिया और साथी कलाकारों ने रंग फागुन बसंती रंगा गइले राम और खेलै गोपिन संग होरी कन्हैया के लोक गायन से सुंदर समा बांधा मल्लिका चटर्जी प्रतिमा मिश्रा रंजना त्रिपाठी रश्मि भारतीय ने होली में दादरा और रसिया होली में फाग मनाओ रसिया होली में गाकर एक अलग ही वातावरण की सृष्टि की इसके बाद आकाशवाणी इलाहाबाद के ए ग्रेड के लोक कलाकार श्यामलाल बेगाना और साथी कलाकारों ने बेलवरिया फाग होरी बसंत गीतों की सुंदर प्रस्तुतियां कर श्रोताओं की वाहवाही लूटी ' होरी खेलै मदन गोपाल हो बोलो सा रा रा रा की प्रस्तुति पर सारे दर्शक थिरकने को बाध्य हो गए अंत में कन्हैया घर चलो गुईया आज खेलै होरी महिला कलाकारों द्वारा यह लोक रचना प्रस्तुत की गई मंच पर सारे कलाकारों ने इस अंतिम प्रस्तुति में अबीर गुलाल फूलों की होली खेलकर एक अलग ही माहौल बनाया, इनके साथ तबले पर संगीत दी आकाशवाणी इलाहाबाद के विभागीय कलाकार पंकज श्रीवास्तव ने हारमोनियम पर उदय चंद सिंथेसाइजर पर जयंतो बोस ऑटो पैड पर राज अग्रहरी ढोलक पर राजा भट्ट ने संगत किया , मंच संचालन आकस्मिक उद्घोसीका वंदना श्रीवास्तव ने किया , अंत में इफको के अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जिला स्तरीय स्पेयरहेड टीम प्रशिक्षण समारोह का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

प्रशिक्षण समारोह में प्रमाण पत्र देते ज्वाइंट कमिश्नर सुधांशु तिवारी

प्रशिक्षण समारोह में प्रमाण पत्र के साथ मौजूद स्पीयर हेड

प्रयागराज। नमामि गंगे में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज द्वारा 7 दिवसीय स्पीयर हेड टीम का जिला स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम एवं जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कल शहर के सीमैट सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरआत में अतिथि जिला स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण की निदेशक सुत्ता सिंह के कर कमलों द्वारा दीप प्रजवालान से किया गया । उन्होंने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से युवाओं के कौशल विकास में मददगार साबित होता है ' उन्होंने युवाओं को कोई भी कार्य सकारात्मक सोच के साथ करने के लिए प्रोत्साहित किया । साथ उसके पश्चात मुख्य अतिथि के तौर उद्योग के संयुक्त आयुक्त प्रयागराज मंडल एवंचित्रकूट मंडल, सुधांशु तिवारी रहे ।कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे , जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने प्रशिक्षण का विस्तृत विवरण दिया। संयुक्त आयुक्त ने कहा कि नदियों का मनुष्य जीवन बहुत महत्व है और नदियों से जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक स्वच्छ जल प्राप्त होता है यही कारण है कि अधिकांश प्राचीन सभ्यताएं, जनजातियाँ नदियों के समीप ही विकसित हुईं ।हमारी आस्था की पवित्र और संस्कृति से जुड़ी नदियां प्रदूषित हो रही हैं। मनुष्य गतिविधियों के चलते समय से सीवर, औद्योगिक कचरा आदि के कारण भारत की नदियां दुनिया मे सबसे ज्यादा प्रदूषित हो गई हैं । हमें वास्तव में नदियों का सम्मान करना सीखना होगा और प्रदूषण से बचना भरपूर प्रयास करना है। इसके पश्चात सभी प्रशिक्षण के 50 प्रतिभागियों को कमिश्नर द्वारा सम्मानित किया गया। इसके पश्चात जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में अतिथि के तौर पे प्रयागराज संगीत समिति के रजिस्ट्रार का आगमन हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने नाच, गायन, नुक्कड़ नाटक आदि कर-के दर्शकों का दिल जीत लिया। अतिथि द्वारा प्रतियोगिताओं को उनके द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया' कार्यक्रम का संचालन गुलाब शुक्ला ने किया।कार्यक्रम में राज्य प्रशिक्षक राम अवध कुशवाहा, महेश त्रिवेदी, चंद्रमणि मिश्रा , स्वयंसेवक , गंगा दूत मौजूद रहे।

पूर्व कबीना मंत्री रामवीर उपाध्याय को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

प्रयागराज। पूर्व कैबिनेट मंत्री रामवीर उपाध्याय को हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। मंत्री ने हाईकोर्ट में एससी/एसटी कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। मंत्री पर प्रतिवादी की ओर से अपरहरण और एससी/एसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराने केलिए सत्र न्यायाधीश के समक्ष आवेदन किया गया था। जिस पर कोर्ट ने उसे शिकायत के रूप में स्वीकार करते हुए मंत्री को समन जारी कर दिया था।मंत्री ने हाईकोर्ट में समन को अवैध बताते हुए उसे रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने उस पर सुनवाई करते हुए याचिका को रद्द कर दिया और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत मामले की सुनवाई के लिए एमपीएमएलए कोर्ट भेज दिया। याची मंत्री रामवीर उपाध्याय की ओर से तर्क दिया गया कि एससी/एसटी सत्र न्यायाधीश की ओर से जारी समन गलत है। एसटी/एसटी कोर्ट को याची के मामले में सुनवाई का अधिकार नहीं है। याची केमामले में एमपीएमएलए कोर्ट में ही सुनवाई हो सकती है। जबकि, प्रतिवादी की ओर से तर्क दिया गया कि मंत्री के खिलाफ अपहरण और एससी/एसटी एक्ट के तहत सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसे एससी/एसटी कोर्ट को सुनने का अधिकार है।कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने केबाद पाया कि एससी/एसटी कोर्ट के द्वारा की गई कार्रवाई विधि सम्मत है। उसे निरस्त नहीं किया जा सकता है। लिहाजा, कोर्ट ने पूर्व मंत्री की याचिका को खारिज करते हुए मामले की सुनवाई के लिए हाथरस जिले के एमपीएमएल कोर्ट को भेज दिया।

सुरक्षा मानको की अनदेखी कर चल रहे कारखाना से हो सकती है बड़ी दुर्घटना

अखंड भारत संदेश

घनी आवादी के बीचोबीच मेहदौरी गंगा दर्शन के हौलीपार में है गैर पंजीकृत कारखाना

प्रयागराज। मेहदौरी स्थित गंगादर्शन आवासीय स्कीम से सटी पुरानी आवादी हौलीपार में पिछले कई वर्षों से कुटीर उद्योग कारखाना सुरक्षा मानकों की अवहेलना करते हुऐ मानक के विपरीत कारखाना संचालित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना शिवकुटी के अंतर्गत मोमबती व खाद्य सामग्री वस्तुओं का निमार्ण किया जाता है। उक्त कारखाने में लगभग एक दर्जन से महिला वर्कर सुबह आठ बजे से सायं पांच बजे तक कार्य करते है। आठ बाई 18 के कमरे में ग्राउंड फ्लोर पर संचालित है तथा प्रथम व द्वितीय तल पर किरायेदार रहते है। गौरतलब है कि उक्त कारखाने का श्रम विभाग द्वारा न तो पंजीकरण किया गया है और न ही प्रदूषण विभाग तथा अग्नि शमन विभाग से नोड्यूज प्राप्त है। जबकि आवादी के बीचोबीच इस तरह के कारखाने खोलने के कोई प्राविधान नही है। यदि खोलना बहुत ही जरूरी है तो श्रम, प्रदूषण व अग्निशमन विभागों से लाइसेंस व अनुमति प्राप्त किया जाना जरूरी है। इस संदर्भ में कारखाना मालिक अशोक अग्रवाल से पूछा गया कि सुरक्षा के मानकों का पालन क्यो नही है कोई दुर्घटना होने पर कैसे रोकथाम होगी? तो श्री अग्रवाल ने कहा कि पिछले वर्षों से कारखाना चल रहा है कोई घटना तो नही घटी जब होगी तब देखा जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने श्रम विभाग, प्रदूषण व अग्नि शमन विभाग से उक्त कारखाने का स्थलीय निरीक्षण कराकर समुचित कार्यवाही की मांग की है तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी के साथ चल रहे कारखाने को सुरक्षा की दृष्टि से आवादी से हटवाने का कष्ट करें। तथा नियमो का अतिक्रमण कर कारखाना चलाने वाले मालिक के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही का अनुरोध किया है।

मेयर ने जनता से की अपील, ईंट बिछाकर ही होलिका दहन की करें तैयारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर क्षेत्र में करीब 5 सौ से भी ज्यादा स्थानों पर होलिका दहन किया जाता है। इसके लिए सभी मोहल्लों में तैयारियां तेज हो गई है। वहीं प्रयागराज की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने शहरवासियों से अपील की है कि सड़क आप सब की संपत्ति है, इसका पूरा ख्याल हम सब को करना चाहिए। इसी को देखते हुए सड़कों पर लगाई होलिका को ईंट या पत्थर बिछाकर रखी जाए तो आग की गर्मी से सड़क भी खराब नहीं होगी और होलिका दहन भी भव्यता के साथ किया जा सकता है।

उपले और कपूर से करें होलिका दहन

महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने कहा कि होलिका दहन में प्लास्टिक और टायर आदि जलाने से पर्यावरण दूषित होता है। इससे निकलने वाला धुंआ आदि की वृद्धि से वायु प्रदूषण बढ़ जाता है। जो मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। ऐसे में होलिका दहन में ऐसी चीजें न जलाई जाएं जो पर्यावरण के लिए घातक हों। उन्होंने लोगों से अपील की कि पर्यावरण का ख्याल रखते हुए गोबर के उपले व कपूर से होलिका दहन किया जाए। वहीं उन्होंने कहा कि पानी बहुत अमूल्य है, इसलिए होली पर इसे बर्बाद न करें। कोशिश करें कि होली सूखे रंगो व अबीर-गुलाल से हो। साथ ही ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए लाउड स्पीकर की आवाज को कम रखें, ताकि किसी को परेशान न हो।

साइड मांगने पर कार सवारों ने युवक को पीटकर किया जख्मी

प्रयागराज। स्कूटी सवार सौरभ शर्मा को कार सवारों के बीच साइड मांगना महंगा पड़ा। उन लोगों ने मिलकर सौरभ की इतनी पिटाई की कि वह अधमरा हो गया। स्वरूपरानी अस्पताल में इलाज कराने के बाद उसने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पान दरीबा निवासी सौरभ शर्मा ने पुलिस को बताया कि 9 मार्च की दोपहर वह अपने पिता की दवा लेकर लौट रहा था। रास्ते में मोहत्सिमगंज इलाके में कार सवार तीन चार लड़के बैठे थे। सड़क पर कार लगाए थे। उसने कार किनारे करने के लिए कहा तो विवाद हो गया। सभी लोगों ने मिलकर उसे इतना मारा कि वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सड़क पर अचेत हालत में छोड़कर आरोपी भाग निकले। राहगीरों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। उसकी रीढ़ की हड्डी में चोट आई थी। हालत में सुधार होने के बाद उसने कार सवार मोहम्मद साहिल समेत अन्य के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कराया है।

जमुना प्रसाद जनता से रहे दूर, महापुरुषों की जयंती न मनाने से जनता रही नाराज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगापार की सोरांव (सुरक्षित) विधानसभा सीट पर अपना दल एस के डॉ. जमुना प्रसाद को करारी हार का सामना करना पड़ा। पांच साल के कार्यकाल के दौरान लगातार लोगों से दूरी बनाए रखना उनको भारी पड़ गया। पार्टी ने उन्हें दोबारा तो टिकट दे दिया लेकिन वह जनता का विश्वास हासिल करने में असफल रहे।क्षेत्र के लोगों की माने तो पिछले चुनाव में बसपा प्रत्याशी रहीं गीता पासी ने इस बार माहौल को भांपते हुए सपा में शामिल हो गईं। पांच साल वह पूरे क्षेत्र में लोगों के बीच रहीं और समस्याओं को लेकर संघर्ष भी करती रहीं, जिसका परिणाम यह हुआ की भाजपा की लहर के बावजूद जमुना प्रसाद अपनी सीट नहीं बचा सके। अधिवक्ता अभिषेक शुक्ला का कहना है कि अपना दल एस भाजपा के गठबंधन के निवर्तमान विधायक डॉक्टर जमुना प्रसाद सरोज ने ऊदा देवी, बिजली पासी को छोड़कर अन्य किसी भी महान व्यक्तियों की जयंती नहीं मनाई। इसका भी खामियाजा भुगतना पड़ा। उनके इस कृत्य से उनके प्रति लोगों में नकारात्मक विचार भावना उत्पन्न हुई। जिसको सपा ने बखूबी भुनाया।

पांच साल क्षेत्र में समय देने का गीता को मिला इनाम

गीता पासी पूरे पांच साल तक क्षेत्र के लोगों से किसी न किसी रूप में जुड़ी रहीं, जिससे उनकी पहचान संघर्ष करने वाली नेत्री के रूप में बनी। यही कारण रहा कि बड़े नेताओं की सभा होने के बाद भी जमुना प्रसाद विधानसभा में दूसरी बार नहीं पहुंच सके। विकास कुमार का कहना है कि क्षेत्रीय होने के कारण लोगों ने गीता शास्त्री पर ज्यादा विश्वास किया। लगातार क्षेत्र से नदारद रहने के चलते जमुना को लोगों ने पसंद नहीं किया। समाजसेवी महेंद्र कुमार वैश्य का कहना है कि पिछला चुनाव जीतने के बाद से ही जमुना प्रसाद ने क्षेत्रवासियों से दूरी बना ली। उन्हें शायद यह नहीं पता कि यह लोकतंत्र है यहां हर पांच साल पर हिसाब किताब बराबर किया जाता है। लोगों के बीच उनके प्रति बनी नकारात्मक छवि अंत तक कायम रही।

दूसरे प्रत्याशी को टिकट मिलता तो शायद होती जीत

क्षेत्र के समाजसेवी आलोक कुमार कहते हैं कि 2017 के चुनाव में विधायक बनने के बाद अपने ही कार्यकर्ताओं की उपेक्षा शुरू कर दी। इसका काफी गलत संदेश पार्टी के अंदर गया। पार्टी ने उन्हें दोबारा टिकट देकर भी गलती की। उनके स्थान पर किसी दूसरे नेता को टिकट मिला होता तो शायद सोरांव की सीट आज भाजपा गठबंधन के पास होती।

पिछले चुनाव में पराजित हुई गीता ने इस बार लिया बदला

बता दें कि बसपा छोड़ साइकिल पर सवार हुईं गीता शास्त्री ने 89792 मत के साथ 2017 में मिली शिकस्त का बदला लिया। उन्होंने अपना दल प्रत्याशी डॉ. जमुना प्रसाद सरोज को लगभग 5,133 मतों से पराजित किया। जमुना प्रसाद को पिछली बार 77814 मत मिले थे, लेकिन इस बार 84659 मत पाने के बाद भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पिछली बार दूसरे नंबर रही बहुजन समाज पार्टी को जहां लगभग 60 हजार मत मिले थे, वहीं इस बार 28,819 मत ही मिले हैं।

लालगंज कोतवाली के आईजी ने किया औचक निरीक्षण

कदम-कदम पर कमी देख नाराज हुए आईजी, परिसर में गंदगी व अभिलेखों में त्रुटि देख लगाई फटकार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सोमवार को आईजी के औचक निरीक्षण से पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया। कोतवाली परिसर मे गंदगी के ढेर व अभिलेखों में त्रुटियों को देखकर मातहतों को कड़ी फटकार लगाई। स्थानीय कोतवाली मे सोमवार को दोपहर में प्रयागराज के आईजी राकेश कुमार सिंह अचानक आ गए। इस दौरान औचक कार्यक्रम को लेकर पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। आईजी के लगभग एक घंटे निरीक्षण के दौरान सीओ समेत पुलिसकर्मियों की सांसे थमी सी नजर आयी।

आईजी की सबसे पहले कोतवाली परिसर पर नजर पड़ी जहां शौचालय, बैरिक व आवासीय क्षेत्र मे जगह जगह कूडे का ढेर लगा हुआ था। इसको देखते ही आईजी का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया। इस दौरान उन्होंने थानाध्यक्ष को फटकार लगाई। उसके बाद

लालगंज कोतवाली का निरीक्षण करते आईजी राकेश कुमार सिंह।

सीओ की तरफ मुखातिब हो पूछ बैठे आपका यही पर्यवेक्षण है। आईजी ने इसके बाद महिला हेल्प डेस्क से जुडी शिकायतों पर नजर डाली। महिला उत्पीडन से जुडे प्रार्थना पत्रों मे निस्तारण कार्रवाई औपचारिक अंकित देख आईजी का मूड फिर बिगड़ गया। सप्ताह भर के अंदर आईजी ने महिला हेल्प डेस्क की निस्तारण कार्रवाई संपूर्ण ब्यौरे के साथ तलब कर ली। पुलिस महानिरीक्षक राकेश सिंह ने बैरिक के पीछे चहरदीवारी को न देख कर असंतुष्टि जताई। सीओ के यह बताने पर कि प्रपोजल गया है। आईजी ने शासन से चहरदीवारी के निर्माण के लिए शीघ्र धनराशि दिलवाये जाने का शीघ्र भरोसा दिलाया। आईजी ने थानाध्यक्ष के कक्ष मे अपराध रजिस्टर तथा त्यौहार रजिस्टर पर भी नजर डाली। होली के त्यौहार को लेकर पुलिस गश्त को प्रभावी बनाये जाने के कडे निर्देश दिये। वहीं मातहतो को हिदायत दी कि शांति व्यवस्था मे बाधक असामाजिक तत्वों के खिलाफ नियमित रूप से बेहिचक निरोधात्मक कार्रवाई कठोरता के साथ होनी चाहिये। वहीं औचक निरीक्षण के दौरान थाने मे मौजूद फरियादियों की भी समस्याएं स्वयं सुनने लगे। प्रार्थना पत्रो पर थानाध्यक्ष को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिये। आईजी करीब एक घण्टे तक थाने मे डटे रहे। आईजी के स्थानीय कोतवाली मे औचक निरीक्षण को लेकर सर्किल के अन्य थानों मे भी काफी देर तक हडकंप का माहौल देखा गया।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर मेंस यूनियन ने किया प्रदर्शन

चेयरमैन को संबोधित ज्ञापन एसएस को दिया

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नई पेंशन स्कीम की मुखालफत और पुरानी पेंशन लागू करने की मांग को लेकर नॉर्दर्न रेलवे मेस यूनियन शाखा प्रतापगढ़ ने सोमवार को स्टेशन पर प्रदर्शन किया। यूनियन द्वारा रेलवे बोर्ड चेयरमैन को संबोधित ज्ञापित स्टेशन अधीक्षक को दिया गया। जिसमें पुरानी पेंशन लागू करने की मांग की गई।

स्टेशन अधीक्षक कार्यालय के सामने आयोजित सभा को संबोधित करते हुई यूनियन के शाखा अध्यक्ष मोहम्मद शफीक ने कहा कि पेंशन कर्मचारियों के बुढ़ापे का सहारा है। सरकार ने उसे खत्म करके उनका सहारा छीन लिया है। मंत्री

मांगों को लेकर प्रदर्शन करते मेंस यूनियन के पदाधिकारी।

अनिल शुक्ला ने कहा सरकार को पुरानी पेंशन लागू करनी चाहिये। वह हम कर्मचारियों का हक है। पेंशन स्कीम को लेकर यूनियन का प्रदर्शन जारी रहेगा। स्टेशन अधीक्षक मोहम्मद शमीम ने ज्ञापन को मंडलीय कार्यालय लखनऊ भेजने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर मोहम्मद अनीश, बबिता पांडेय, वीके तिवारी, ओपी राव, विनय समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे।

पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष मनोकानिका उपाध्याय की अध्यक्षता में जिला कोषागार के पेंशनर हाल में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की लम्बित मांगों कैशलेस चिकित्सा योजना, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, पेंशन की धनराशि की वापसी 15 वर्ष के स्थान पर 10 वर्ष किये जाने आदि पर पेंशनरों पर विचार-विमर्श किया गया तथा सर्वसम्मति से सरकार से इसे शीघ्र लागू किये जाने की मांग की गई।

स्थानीय समस्याओं के निराकरण हेतु वरिष्ठ कोषाधिकारी से वार्ता किये जाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में इंद्रमणि मिश्रा, रामधन सरोज, हरिकेश सिंह चैहान, श्याम शंकर दुबे, गुरुदयाल गुप्ता, सुबेदार उपाध्याय, बाल गोविन्द तिवारी, प्यारे लाल मिश्रा, कृष्ण देव दुबे, विनोद कुमार मिश्रा, जीवन शंकर तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रभात एकेडमी में उड़ा रंग गुलाल, बच्चों ने खेली होली

वार्षिक परीक्षा समाप्त होने पर बच्चों ने उठाया लुत्फ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। होली नजदीक आते ही बच्चों ने होली की हुड़दंग शुरू कर दी है। 17 मार्च को होलिका दहन व 18 मार्च को रंग चलेगा, लेकिन जिन स्कूल, कालेजों में आज सोमवार के बाद होली की छुट्टी हो गई, उन लोगों ने जमकर होली खेली।

नगर के अष्टभुजा नगर स्थित प्रभात एकेडमी में छात्र-छात्राओं ने जमकर अबीर गुलाल उड़ाया। बच्चे एक दूसरे को रंग व गुलाल लगा रहे थे। प्रभात एकेडमी के प्रधानाचार्य प्रभात शर्मा ने बताया कि बच्चों की वार्षिक परीक्षा आज समाप्त हुई थी। इसके बाद होली की छुट्टी है, इसलिये बच्चे पहले से ही रंग व गुलाल लेकर आये थे। परीक्षा

प्रभात एकेडमी में होली का लुत्फ उठाते बच्चे।

समाप्त होते ही रंग व गुलाल उड़ाना शुरू हो गया। थोड़ी ही देर में ज्यादातर बच्चों के चेहरे लाल हो गये थे। प्रधानाचार्य प्रभात शर्मा की मानें तो लगभग 200 बच्चे होली मनाने में ज्यादा सक्रिय दिखाई दिये। इसी प्रकार कुछ अन्य स्कूलों में रंग व गुलाल चले हैं।

रोवर्स रेंजर्स को जानकारी देते प्रशिक्षक।

रोवर्स रेंजर्स को दी गई प्रशिक्षण में जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मां कुंती महिला शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान सराय सुल्तानी रानीगंज के तत्वावधान में रोवर्स रेंजर्स के कार्यक्रम के परिसर में तीसरे दिन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी रोवर्स रेंजर्स को प्राथमिक सहायता, दिशा ज्ञान, अनुमान, विधि खोज के चिन्ह, हाईक (भ्रमण), वर्गीकरण एवं गांठों की प्रैक्टिकल की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा0 हाजरा बेगम, उप प्राचार्य डा0 क्षमापति त्रिपाठी, हिमांशु शर्मा, कु0 सबा बानो एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं प्राध्यापिका आदि मौजूद रहे।

कैशबैक के नाम पर युवक से हुई ठगी, युवक पहुंचा थाने

पट्टी, प्रतापगढ़। मोबाइल पर रिचार्ज करने के बाद अज्ञात फोन से 4000 रुपये का कैशबैक का लालच देकर उसके मोबाइल 11000 रुपये निकाल लिया गया। पीड़ित युवक पट्टी कोतवाली पहुंचकर इस संबंध में तहरीर दिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के बहुता गांव का रहने वाला अभिषेक कुमार पुत्र चंद्रनाथ ने पट्टी कोतवाली में पहुंचकर तहरीर दिया और बताया कि 12 मार्च को उसके फोन पे एप्प पर एक मैसेज आया उसके 5 मिनट बाद ही एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके बताया कि तुम्हें 4000 रुपये कैशबैक मिला है। उस अज्ञात व्यक्ति ने पीड़ित के मोबाइल पर 2000 रुपये डाल भी दिया, इससे अभिषेक लालच में आ गया फोन करने वाले व्यक्ति ने अभिषेक से कहा कि और पैसे जाने में दिक्कत आ रही है।

बहू ने लाठी से ससुर को पीटा, वृद्ध पहुंचा कोतवाली

पट्टी, प्रतापगढ़। बहू की गलत हरकतों से परेशान होकर उसके बूढ़े ससुर ने जब उसे ऐसा करने से रोका तो अपने बूढ़े ससुर बहू हमलावर हो गई और लाठी से उसे जमकर मारा पीटा जिससे बूढ़े ससुर को काफी चोटे आई, थोड़ी देर बाद वह पट्टी कोतवाली पहुंचकर अपनी बहू से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के पुरानी पट्टी कस्बे के रहने वाले अमरपाल पुत्र श्री फेरई काफी बूढ़े हो चुके हैं। पट्टी कोतवाली पहुंचे अमरपाल ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी बहू बदचलन है उसकी हरकतों से वह काफी परेशान है। समझाने पर उस पर कोई असर नहीं पड़ता है, उल्टे वह उन्हें खाना पीना भी नहीं देती है, तथा परेशान करती है उसकी गलत हरकतों और बदचलन स्वभाव से परेशान होकर सोमवार की दोपहर उसे समझाते बुझाते हुए जब उन्होंने उसे ऐसा करने के लिए मना किया तो वह उस पर हमलावर हो गए अपने पति राजदेव के साथ उसने लाठी-डंडों से उसे जमकर मारा पीटा जिससे उसके हाथ में काफी चोटें आई वह रोते हुए सोमवार की दोपहर पट्टी कोतवाली पहुंचकर अपनी बहू की प्रताड़ना के विरुद्ध अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है पुलिस प्रार्थना पत्र लेने के बाद मामले की जांच में जुटी हुई है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया पट्टी कोतवाली का औचक निरीक्षण

पट्टी, प्रतापगढ़। सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह अचानक पट्टी कोतवाली पहुंच कर कोतवाली में निरीक्षण किया और विधानसभा चुनाव संपन्न होने तथा होली के त्यौहार के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए उन्होंने रजिस्टर की जांच की। सोमवार की दोपहर लगभग साढे.बारह बजे अपर पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार सिंह पट्टी कोतवाली पहुंच गए। उनके कोतवाली पहुंचने पर सभी पुलिसकर्मी सतर्क हो गए। इस दौरान वह सबसे पहले रजिस्टर का बारीकी से अवलोकन किया तथा लंबित मामलों की जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया इस दौरान उनसे बात करने पर उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद की स्थितियों का आकलन करने जिससे कि किसी प्रकार की अराजकता ना फैले और कानून व्यवस्था कायम रहे तथा होली के त्यौहार में हुड़दंगइ करते हुए किसी प्रकार सामाजिक माहौल खराब ना हो सामाजिक एकता और आपसी भाईचारा कायम रहे आवश्यक दिशा निर्देश देने के उद्देश्य से थाने में यह निरीक्षण किया जा रहा है उन्होंने बताया कि आसपुर देवसरा थाना सहित कंधई थाने में भी निरीक्षण किया जाएगा जिससे किसी भी प्रकार की समस्या ना हो और किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए समय रहते कार्यवाही की जा सके। इस दौरान कोतवाल नंदलाल सिंह अरविंद सिंह कांस्टेबल विकेश सिंह यसआई विनोद सिंह सहित महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

होली त्योहार पर अवैध मद्य निष्कर्षण एवं विक्री पर अंकुश के लिये टीम गठित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला मजिस्टेज्ट डा0 नितिन बंसल ने बताया है कि जनपद में 17 से 19 मार्च तक होली का त्योहार मनाया जायेगा। होली त्योहार के मद्देनजर मदिरा की खपत में उत्रोत्तर वृद्धि होने के दृष्टिगत मदिरा का अवैध निर्माण, संग्रह, अवैध विक्री तथा तस्करी में असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने की शक्यता से इन्कार नही किया जा सकता है। इस प्रकार की गतिविधियों से जहॉ एक ओर आबकारी राजस्व की हानि होती है वही दूसरी ओर इस बात की सम्भावना से इन्कार नही किया जा सकता है कि रंजिशन या सस्ती मदिरा के प्रलोभन के तौर पर ऐसी विषाक्त मदिरा का प्रचलन हो जाये, जिससे जन हानि हो। जिला मजिस्टेज्ट ने होली त्योहार के दृष्टिगत समस्त ठेकों पर विशेष अभियान चलाकर व्यापक जांच/छापेमारी हेतु तहसीलवार टीमों का गठन कर दिया है।

उन्होने नगर क्षेत्र हेतु अपर उपजिलाधिकारी (प्रथम), पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर एवं क्षेत्रीय थाना स्टाफ को, तहसील सदर हेतु उपजिलाधिकारी सदर, पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर एवं क्षेत्रीय थाना स्टाफ का गठन किया है। इसके अलावा नगर क्षेत्र व तहसील सदर हेतु आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 सदर को टीम में सम्मिलित किया गया है। इसी प्रकार तहसील पट्टी हेतु उपजिलाधिकारी पट्टी, पुलिस क्षेत्राधिकारी पट्टी व आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 पट्टी को, तहसील कुण्डा हेतु उपजिलाधिकारी कुण्डा, पुलिस क्षेत्राधिकारी कुण्डा व आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 कुण्डा को, तहसील लालगंज हेतु उपजिलाधिकारी लालगंज, पुलिस क्षेत्राधिकारी लालगंज व आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 लालगंज को तथा तहसील रानीगंज हेतु उपजिलाधिकारी रानीगंज, पुलिस क्षेत्राधिकारी रानीगंज व आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 रानीगंज की टीम गठित की गयी है। उन्होने गठित टीमों को निर्देशित किया है कि होली के त्योहार पर सघन अभियान चलाकर व्यापक जांच/छापेमारी का आयोजन कर मद्य निष्कर्षण/अवैध व अपमिश्रिम मदिरा के निर्माण एवं विक्री/भण्डारण के अड्डों को समाप्त कराते हुये समस्त ठेकों की जांच व अन्वीक्षण कर अवैध मद्य निष्कर्षण एवं विक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ ही जहां पर अवैध शराब पूर्व में जांच के दौरान पकड़ी गयी और मुकदमें पंजीकृत हुये थे, वहां पर विशेष सतर्क दृष्टि रखते हुये जनपद में जहां भी अवैध शराब की बरामदगी हो वहां तत्परता से वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

जनता के सुख-दुख में सदैव रहूंगा भागीदार: जीतलाल

विश्वनाथगंज विधायक का भाजपा कार्यकताओं ने किया अभिनंदन

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। विश्वनाथगंज के नव निर्वाचित विधायक जीतलाल पटेल का अभिनंदन भाजपा कार्यकताओं ने आज गर्मजोशी से किया। क्षेत्र के सगरासुंदरपुर बाजार मे आयोजित अभिनंदन समारोह में विधायक जीतलाल पटेल ने कहा कि विश्वनाथगंज की जनता ने मेरे प्रति जो विश्वास जताया है उसका मैं आजीवन आभारी रहूँगा।

उन्होंने कहा कि विश्वनाथगंज विधानसभा का चहुंमुखी विकास करने का प्रयास करुंगा। जनता के दुख सुख में सदैव भागीदार रहूंगा और आपसी सहमती से विश्वनाथगंज का विकास किया जायेगा। संचालन अनूप त्रिपाठी ने किया। समारोह का संयोजन करने वाले भाजपा

विधायक जीतलाल का फूल-माला से अभिनंदन करते कार्यकर्ता।

कार्यकताओं ने विधायक के स्वागत में उन्हें फूल माला से लाद दिया। इस अवसर पर आशीष पटेल, जयभगवान पांडेय, अंकुर तिवारी निक्की, मिन्कू तिवारी, मुरलीधर उपाध्याय, प्रमोद सिंह, उदयराज तिवारी, प्रदीप तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, शशिकांत शुक्ल, धनंजय शुक्ल, अरविंद शुक्ल, शिव यादव, संतोष वर्मा, लालता सोनी, बृजेश शुक्ल, पंकज, सुरेश सिंह, लल्लू वर्मा आदि मौजूद रहे।

ठगी के अभियोगों में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार, नौ हजार रुपये बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर पर आवेदक संजय कुमार द्वारा 12 मार्च को यह सूचना दी गई कि संदीप कुमार यादव द्वारा सस्ते दाम पर दाल दिलाने की बात कहकर उनसे 15 हजार रुपए ठग लिये गये हैं। इस संबंध में वादी की तहरीर पर थाना कोतवाली नगर पर मु0अ0सं0 196/2022 धारा 406, 420 भादंवि का अभियोग बनाम संदीप यादव उपरोक्त के पंजीकृत किया गया था।

इसी क्रम में एक अन्य आवेदक कर्मराज वर्मा द्वारा थाना कोतवाली नगर पर यह सूचना दी गई कि संदीप कुमार यादव व संजय सरोज द्वारा सस्ते दाम पर सरिया दिलाने की बात कहकर उनसे 42100 रुपए ठग लिये गये हैं। इस संबंध में वादी की तहरीर पर थाना कोतवाली नगर पर मु0अ0सं0 197/2022 धारा 406, 420 भादंवि का अभियोग बनाम संदीप यादव व संजय सरोज उपरोक्त के पंजीकृत किया गया। उक्त अभियोगों की विवेचना/कार्यवाही के क्रम में थाना कोतवाली नगर के उ0नि0 धर्मेन्द्र सिंह मय टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना क्षेत्र के ग्राम गोपालापुर ए0बी0एस0ई0 स्कूल के पास से उक्त अभियोगों से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त संदीप यादव व संजय सरोज को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से उक्त अभियोगों से संबंधित ठगी के कुल नौ रुपए, घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन व दो मोटर साइकिल बरामद की गयी। बरामद मोटर साइकिलों को धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि हम लोग घूम-घूमकर लोगों को सस्ते दामों पर वस्तुएं दिलाने की बात कहकर उनसे पैसे ले लेते हैं और पैसा मिलने के बाद आपस में बांट लेते हैं और उन्हें किसी प्रकार का सामान मुहैया नहीं कराते हैं। गिरफ्तार अभियुक्त में संदीप कुमार यादव पुत्र राम मोहन यादव निवासी ओझला थाना कंधई, जनपद प्रतापगढ़। (मु0अ0सं0 196/22 व 197/22 में वांछित) व संजय सरोज पुत्र स्व0 कन्हैया लाल सरोज निवासी फेनहा थाना कंधई, जनपद प्रतापगढ़। (मु0अ0सं0 197/22 में वांछित) शामिल रहे।

चौक के आसपास पुलिस ने चलाया अतिक्रमण विरोधी अभियान

मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण न करने की दी हिदायत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर में चैक से कचेहरी मार्ग पर स्टेट बैंक तक तथा चैक से बाबागंज पेट्रोल पम्प तक आज पुलिस ने अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस को देखकर ठेलेवाले भागने लगे। पुलिस वालों ने सड़क की पटरी तक दुकान बढ़ाने वालों को भी कड़ी चेतावनी दी कि दो दिन के अंदर अपनी दुकान अंदर कर लें, अन्यथा कार्यवाही की जाएगी। पुलिस की इस कार्यवाही से ठेलेवाले व व्यापारियों में हड़कंप मचा रहा।

बताया जाता है कि कोतवाली नगर क्षेत्र की मकन्दूगंज पुलिस नगर की मुख्य सड़कों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को हटाने में लगी थी। ठेलेवालों तथा दुकानदारों द्वारा दुकानों को आगे बढ़ा लेने से आए दिन चैक कचहरी मार्ग पर जिला अस्पताल के सामने जाम लगता है। इसी जाम में दो दिन पहले एसपी सतपाल अंतिल भी फंसे थे, जिस पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस वालों को फटकार लगाई थी। आज चैकी प्रभारी मकन्दूगंज पुष्पराज सिंह सहित पुलिस जन आज चैक के पश्चिमी तथा दक्षिणी सड़क पर अतिक्रमण हटाने निकल पडे. थे। पुलिस को देखकर ठेलेवाले तो भाग खडे. हुए थे लेकिन जो व्यापारी सड़क तक अपनी दुकानें बढ़ाए हैं, उन पर पुलिस के तेवर कडे.दिखाई दिये। पता चला है कि जिला महिला अस्पताल के सौ बेड के सामने ठेलेवाले चले गये हैं। इस तरह चैक के पश्चिमी और दक्षिण सड़क तो साफ हो गई है लेकिन जिला महिला अस्पताल के सामने ठेलेवालों के आ जाने से यहां पर भी समस्या आएगी, क्योंकि जिला महिला अस्पताल में आने वालों की भारी भीड़ उमड़ती है। एम्बुलेंस भी आती जाती है। इस सड़क पर अवरोध करने से समस्या आएगी। इस बारे में पुलिस का कहना है कि पहले मुख्य सड़क को खाली किया जा रहा है। उसके बाद ठेलेवालों का स्थान निश्चित कर दिया जाएगा।

सपा समर्थकों ने पूर्व विधायक के भाई को पीटा

अखंड भारत संदेश

रानीगंज, प्रतापगढ़। रानीगंज थाना क्षेत्र के बभनमई चैराहे पर स्थित चाय पान की दुकान पर पूर्व भाजपा विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा के बड़े भाई नीरज ओझा बैठे थे कि पीछे से अज्ञात सपा समर्थकों ने नीरज पर डंडा एवं हाथ पैर से हमलावर हो गए। वह अपने स्कॉर्पियो जीप में बैठकर अपनी जान माल की सुरक्षा करते हुए मौके वारदात से अपने विधायक कार्यालय पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की भी छानबीन कर रही है।

खबर संक्षेप

विद्युत मीटर रीडर से अभद्रता

कौशांबी। विद्युत विभाग मंझनपुर में सतीश तिवारी पुत्र लालता प्रसाद तिवारी निवासी जियापुर खनवारी विद्युत मीटर रीडिंग का कार्य करते हैं 11 मार्च को वह विद्युत मीटर की रीडिंग करने ओसा चौराहे की ओर गए थे और पप्पू गौतम की दुकान के पास खड़े थे विद्युत मीटर रीडर का कहना है कि उनके साथ गांव के सतीश मिश्रा उर्फ सिंपू और पप्पू गौतम सहित आधा दर्जन लोगों ने बेवजह गाली गलौज अभद्रता किया है जान से मारने की धमकी दी है सतीश तिवारी का कहना है कि यह दबंग लोग हैं और बेवजह लोगों से अभद्रता करते हैं मामले की तहरीर मंझनपुर कोतवाली पुलिस को दी गई है।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस बल द्वारा गैंगस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त फिरोज खान उर्फ मंत्री उर्फ बिट्टू पुत्र रमजानी निवासी अशोक नगर कस्बा करारी थाना करारी को करारी चौराहे से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

घर से बुलाकर ले गए युवक की पेड़ से लटकती मिली लाश

हत्या कर युवक की लाश पेड़ से लटकाए जाने की व्यक्त की जा रही संभावना, मौके पर पहुंचे सीओ चायल व फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के भखन्दा गांव में घर से बुलाकर ले गए युवक की लाश दूसरे दिन सुबह गांव के बाहर पेड़ से लटकती मिली है मामले की सूचना पाकर घटनास्थल पर रोते बिलखते परिजन पहुंच गए मामले की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पाकर मौके पर आला अधिकारियों समेत स्थानीय पुलिस पहुंची है और युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है युवक की हत्या कर शव लटकाए जाने की संभावना जताई जा रही है। घटना क्रम के मुताबिक सराय अकिल थाना अंतर्गत कनैली पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम भकन्दा निवासी अनिल सिंह उर्फ प्रियांशु पुत्र अर्जुन सिंह दिनांक 13 मार्च को गाँव के ही युवक के साथ अहमदाबाद जाने के लिये कहकर निकला था पिता अर्जुन के अनुसार उसकी पुत्री के मोबाईल पर रात में फोन आया कि तुम्हारे भाई के विषय मे गुड़ न्यूज है इसके बाद मोबाईल काट दिया।फोन आते ही परिजन परेशान हो गए और खोज बीन सुरु कर दिया कुछ न पता चलने पर परिजन रात में घर पर बैठ गए। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने जानकारी दिया कि भकन्दा गांव के उत्तर दिशा में जमालपुर डेरा के पूरब दिशा में पेड़ से शव लटक रहा है।सुनते ही परिजन घटना स्थल पहुचे और चौकी प्रभारी कनैली को सूचना दिया।मौके पर सराय अकिल इंस्पेक्टर अनुपम शर्मा,चायल क्षेत्राधिकारी,और एक्सपर्ट्स की टीम पहुँची और नमूना लिया सराय अकिल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीण और पुलिस

पीएम का ऋण मेला लगाए जाने का निर्देश साबित हुआ हवा हवाई

कौशाम्बी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 और 15 मार्च को ऋण मेला लगाकर रेहड़ी पटरी वाले दुकानदारों को ऋण वितरण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया था योजना के तहत रेहणी पटरी के दुकानदारों को एक लाख रुपए तक का ऋण योजना के तहत दिए जाने का निर्देश दिया गया था योजना के तहत ब्याज पर अनुदान की व्यवस्था सरकार ने की है लेकिन पीएम का यह निर्देश कौशांबी जिले में पूरी तरह से हवा हवाई साबित हुआ है। रेहड़ी पटरी के गरीब दुकानदारों को बैंक ऋण नहीं दे रहा है वह योजना में तमाम खामियां बताकर प्रधानमंत्री के निर्देश की अवहेलना कर रहा है आला अधिकारियों ने भी रेहणी पटरी पर ठेलिया गुमटी लगाकर जीविकोपार्जन करने वाले गरीबों को ऋण देने की योजना में मदद नहीं की है जिले के सभी बैंक प्रबंधक इस मामले में पूरी तरह से निरंकुश साबित हुए हैं और सरकार की योजना फ्लाप होती दिख रही है आखिर प्रधानमंत्री के निर्देश का कौशांबी जिले में इस तरह से धज्जियां उड़ाई जाने के बाद कैसे गरीबों को रोजगार मिलेगा प्रधानमंत्री की योजनाएं जमीनी हकीकत में कैसे लागू होंगी यह तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं मामले को लेकर रेहड़ी पटरी के दुकानदारों ने प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत की है इस संबंध में लीड बैंक प्रबंधक से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क ना होने से बात नहीं हो सकी।

बदतर हुई चरवा सरकारी अस्पताल की व्यवस्था तड़प रहे मरीज

सरकारी अस्पताल चरवा से प्रतिदिन गायब रहते हैं चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी, जिम्मेदार स्वास्थ्य अधिकारियों की लापरवाही से महिला चिकित्सालय चरवा भी हुआ दुर्दशा का शिकार

चिकित्सक का इंतजार करते मरीज

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चायल तहसील क्षेत्र के चरवा में पांच दशक पूर्व महिला चिकित्सालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना सरकार ने की थी दोनों सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों के दर्जनों लोगों की तैनाती है लेकिन फिर भी मरीज इलाज को तड़पते है दोनों अस्पताल के महिला पुरुष चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों की मनमानी तानाशाही से मरीजों को सस्ता इलाज नहीं मिल पाता है जिससे मरीज झोलाछाप डॉक्टर नर्सिंग होम में इलाज कराने मजबूरी में जाते हैं जहां मरीजों को इलाज के नाम पर लूट लिया जाता है अकुशल अनट्रेंड कथित चिकित्सकों के नर्सिंग होम क्लीनिक में लापरवाही से मरीजों की मौत का भी मामला सामने आ रहा है सरकारी अस्पताल के चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी निजी नर्सिंग होम क्लीनिक संचालन में मस्त है प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चरवा और महिला चिकित्सालय चरवा वर्षो से दुर्दशा ग्रस्त होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी और अपर निदेशक स्वास्थ्य ने चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था को बहाल करने का प्रयास नहीं किया है जिससे इन अधिकारियों की लापरवाह चिकित्सकों से सांठगांठ उजागर हो रही है योगी सरकार ने यदि चौपट व्यवस्था की लगाम नहीं कसी तो मरीजों को सस्ता इलाज नहीं मिल सकेगा। गौरतलब है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चरवा में दोपहर बाद तक चिकित्सक नहीं पहुंच पाते हैं जिससे मरीज तड़पते रहते हैं मरीजो को देखने और उनका इलाज करने के लिए समय पर डॉक्टर नही मौजूद मिलते मरीजों का कहना है कि कभी 1 बजे डॉक्टर आते हैं तो कभी डॉक्टर 2 बजे आते हैं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरवा के डॉक्टरों की लापरवाही लगातार उजागर हो रही है क्षेत्र के गरीब कमजोर मजलूम बीमार लोगो को सरकारी अस्पताल में सही टाइम से इलाज नही मिल रहा है सोमवार के दिन फिर दर्जनों मरीजों को अस्पताल परिसर में डॉक्टरों के इंतजार में तड़पते देखा गया है गरीब परिवार के लोग प्राइबेट अस्पतालों में जाने को मजबूर होते हैं वार्ड ब्याय और स्वीपर अस्पतालों का संचालन कर रहे हैं जो मरीजों को उल्टी सीधी दवाएं देकर कोरम पूरा कर रहे हैं महिला चिकित्सालय चरवा में भी चिकित्सकों की उपस्थिति नहीं होती है जिससे इलाज के लिए अस्पताल पहुंची महिलाएं सुबह से शाम तक चिकित्सकों का इंतजार करती रह जाती हैं वहीं पर मौजूद मरीज और उनके परिजनों से पूछने पर पता चला कि डॉक्टर कभी 1 बजे आती हैं और कभी 2:00 बजे आती हैं मरीजों का कहना है कि कई कई दिन महिला अस्पताल में चिकित्सक नहीं आते हैं जिनको कुछ भी नहीं पता होता हैं महिला चिकित्सालय में उन्हें बैठा कर दवाएं दिलाते हैं चौपट हो चुके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चारवा और महिला चिकित्सालय चरवा की व्यवस्था की ओर क्षेत्र के ग्रामीणों ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान आकृष्ट कराते हुए लापरवाह चिकित्सकों और स्वास्थ्य अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही की मांग की है।

चोरी की घटना में तीन अभियुक्त गिरफ्तार

21 मोबाइल फोन व अन्य उपकरण के साथ किया गया गिरफ्तार

चोरी की घटना का खुलासा करते अपर पुलिस अधीक्षक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। थाना चरवा अन्तर्गत बेरुआ चौराहे से मोबाइल की दुकान से 07 व 08 मार्च 2022 की रात्रि को आज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था जिस सम्बन्ध में थाना चरवा पर मुकदमा पंजीकृत किया गया जिसकी गम्भिरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना के अनावरण हेतु थाना चरवा पुलिस व इंटेलिजेन्स विंग टीम को निर्देशित किया जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी चायल के निकट पर्यवेक्षण में थाना चरवा इंटेलिजेन्स विंग व सर्विलास की संयुक्त टीम द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर अरई सुमेरपुर मोड से तीन अभियुक्तों राज कुमार पुत्र अदालती प्रसाद सरोज निवासी ग्राम काजू थाना चरवा मुकेश पुत्र बद्री प्रसाद सरोज निवासी ग्राम काजू थाना चरवा व राजू पुत्र पंचम लाल निवासी ग्राम काजू थाना चरवा को गिरफ्तार कर अभियुक्तों से कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि बेरुआ चौराहे से मोबाइल की दुकान में हुयी चोरी हम तीन व अन्य दो लोगो द्वारा मिलकर कारित की गयी थी अभियुक्तों के कब्जे से दुकान से चोरी किये गये 21 अदद मोबाइल फोन व अन्य उपकरण बरामद कर गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है तथा घटना में शामिल अन्य दो फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी का प्रयास पुलिस द्वारा किया जा रहा है।

नकाबपोश बदमाशों ने बाइक सवार को मारपीट कर छीना नगदी मोबाइल

चरवा थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध से दहशत के साए में जी रही है आम जनता

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के सैय्यद सरावां चौकी से 500 मीटर दूरी पर तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने रात्रि करीब 10 :00 बजे बाइक सवार रेलवे कर्मी को मारपीट कर मोबाइल नगदी छीन लिया है नकाबपोश बदमाशों की मारपीट से रेलवे कर्मी बेहोश हो गया और पूरी रात घटनास्थल पर कराहता रहा सुबह होश आने पर वह घर पहुँचा है मामले की सूचना पुलिस को दी है पुलिस ने घायल को इलाज कराने के लिए अस्पताल भेज दिया है क्षेत्र में इसके पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं जिनका खुलासा पुलिस नही कर सकी है।

घटनाक्रम के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत चरवा के पूरे कलापत निवासी अजय कुमार यादव पुत्र भारत लाल रेलवे कर्मचारी हैं बीती रात लगभग 10:00 बजे मोटरसाइकिल से वह घर लौट रहे थे जैसे ही वह सैयद सरावा पुलिस चौकी के कुछ दूरी पर पहुंचे कि नकाबपोश तीन बदमाशों ने बलपूर्वक उनकी बाइक रोक ली और तमंचे की बट से प्रहार करने लगे रेलवे कर्मचारी को लात घूसों से भी नकाबपोश बदमाशों ने पीटा है जिससे वह घायल हो कर जमीन पर गिर गया बदमाशों ने रेलवे कर्मचारी से नकदी और मोबाइल छीन लिया है और मौके से फरार हो गए हैं मामले की सूचना परिजनों ने स्थानीय पुलिस को दिया है खबर लिखे जाने तक पुलिस लूट के खुलासे में किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है।

बंधक बनाकर लूटपाट का नहीं हुआ खुलासा

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के काजू से मूरतगंज जाने वाली रोड़ में डी के डिग्री कालेज काजू के पास एक साइकिल सवार दाहसंस्कार से बाजा बजा कर रात्रि करीब 9:00 बजे अपने घर वापस जा रहा था अज्ञात बदमाशों साइकिल सवार ने 500 सौ रूपया मोबाइल साइकिल व कैशिओ बाजा लूटकर बदमाशों ने पीड़ित को महुए की जड़ में बांधकर फुर्र हो गये थे! घटना जनवरी 2022 की है पीड़ित रात्रि भर भीषण ठण्ड में तडपता रहा सुबह ग्रामीण लघुशंका के लिए निकले तो पीड़ित को बंधक से मुक्त किया पीड़ित ने चरवा थाना में वर्तमान थानाध्यक्ष को अज्ञात के विरुद्ध शिकायती प्रार्थना पत्र दिया परन्तु आज तक कोई खुलासा नहीं हुआ ना ही पीड़ित की अभी तक एफआईआर दर्ज हुई।

आए दिन स्कूल वाहन खराब होने से परेशान होते हैं छात्र

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। अंग्रेजी माध्यम के कान्वेंट स्कूलों में जर्जर वाहनों से स्कूली छात्रों को विद्यालय प्रबंधक स्कूल बुलाते हैं उन्हें वापस जर्जर वाहनों से घर छोड़ते हैं जिससे आए दिन वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी होते हैं और रास्ते में वाहन खराब हो जाने से उसमें सवार छात्रों को दिक्कतें होती हैं वाहन के शुल्क के नाम पर विद्यालय प्रबंधक मोटी रकम वसूलते हैं लेकिन सुविधा के नाम पर छात्रों को टरकाते रहते हैं जिससे अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है बीते 2 वर्ष के दौरान जर्जर वाहन के चलते जिले में दर्जनों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं विद्यालयों में चल रहे जर्जर वाहनों के मामले में परिवहन विभाग के अधिकारी भी जर्जर वाहनों पर कार्यवाही नहीं करते हैं जिससे विद्यालय संचालकों के हौसले बुलंद हैं ताजा मामला बीपी पब्लिक स्कूल मंझनपुर का है। सोमवार के दिन बीपी पब्लिक स्कूल का वाहन स्कूल से छात्रों को ले जा रहा था रास्ते में वाहन खराब हो गया धूप में वाहन खड़ा कर चालक वाहन बनाने लगा और छात्र वाहन में बैठे परेशान होते रहे चालक ने छात्रों को सड़क किनारे छांव में पहुंचाने की व्यवस्था नहीं की है सड़क पर घंटों छात्र परेशान है परेशान छात्रों ने वाहन चालक की करतूत परिजनों को बताई है स्कूल वाहन आए दिन खराब होने से परिजनों में आक्रोश व्याप्त है।

खराब वाहन को ठीक करता चालक

होली पर्व पर आसामाजिक तत्वों के विरूद्ध होगी कड़ी कारवाई : डीएम

होली एवं शबे बरात के त्यौहार को शान्तिपूर्ण एवं सकुशल ढंग से मनाये जाने हेतु पीस कमेटी की बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में होली एवं शबे बरात के त्यौहार को शान्तिपूर्ण एवं सकुशल ढंग से मनाये जाने हेतु जनपद के सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने होली के मद्देनजर जनपद में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु संबधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निदेश दिये उन्होने जनपद के संवेदनशील स्थलों पर कड़ी नजर बनाये रखने एवं आसामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये है।

उन्होने कहा कि होली पर्व पर आसामाजिक तत्वों के द्वारा अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कारवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि 17 और 18 मार्च को होली का त्यौहार पूरे जनपद में शान्ति और सौहार्द के साथ मनाया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, पुलिस क्षेत्राधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर होली पर्व पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने का निदेर्श दिया है।

पीस कमेटी को संबोधित करते जिलाधिकारी कौशाम्बी साथ में मौजूद पुलिस अधीक्षक तथा पीस कमेटी की बैठक में उपस्थित जिले की जनता

उन्होने होलिका दहन वाले स्थानों की साफ-सफाई कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। उन्होने ढीले, लटकते एवं जजर्र विद्युत तारों को तत्काल ठीक कराये जाने का निर्देश अधिशासी अभियंता विद्युत को दिया है। उन्होने पानी की टंकियों के पाइप के लीकेज को तत्काल ठीक कराये जाने का निर्देश अधिशासी अभियंता जल निगम को दिया है जिलाधिकारी ने कहा है कि नवीन व विवादित स्थल पर होलिका दहन का प्रयास नहीं किया जायेगा। शरारती तत्वों द्वारा होलिका में छप्पर गुमटी/लकड़ी आदि डालते हुए पाये जाने वालों के विरूद्ध कड़ी कारवाई की जायेगी। उन्होने कहा कि होलिका का दहन समय से ही किया जाय तथा धार्मिक उन्माद फैलाने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जाये। किसी के धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाई जाये ऐसे लोगों के मकान व घरों पर रंग व कीचड़ न फेंके जायें जो दूसरे सम्प्रदाय से तालुक रखते हैं।

असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने का एसपी ने दिया निर्देश

कौशाम्बी। पीस कमेटी की बैठक में पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने सभी क्षेत्राधिकारियों थानाध्यक्षों एवं अन्य लोगों से अपने-अपने क्षेत्रों में निरन्तर भ्रमणशील रहकर होली पर्व पर असामाजिक तत्वों को फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखने एवं जनपद में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति नशे की हालत में वाहन न चलायें। महिलाओं से अश्लील हरकत करने वालों के विरूद्ध कड़ी कारवाई की जायेगी इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सभी उप जिलाधिकारीगण सभी पुलिस क्षेत्राधिकारीगण जिला आबकारी अधिकारी अधिशासी अभियंता विद्युत सभी थाने के थानाध्यक्ष जनपद के सम्भ्रान्त नागरिकगणों के साथ-साथ सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कुएं की जमीन पर दबंग कर रहे कब्जा पुलिस दे रही संरक्षण

जगत पहड़ी की जमीन पर पहले दबंग कर चुके हैं कब्जा उसे खाली कराए जाने की ग्रामीणों ने की मांग

आधे गांव की महिलाएं शादी विवाह में देवता मानकर कुए की करती है पूजा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के बिदनपुर ककोड़ा गांव में जीटी रोड से दक्षिण आबादी भूमि पर सैकड़ों वर्ष पुराना विशाल कुआ उसकी जगत और पहड़ी मौजूद है लेकिन भू माफियाओं की बद नियति के चलते कुआं की पहड़ी पर पहले ही कब्जा हो चुके हैं बीते 10 दिनों से कुए की जमीन पर रुक रुक कर फिर भू माफिया कब्जा कर रहे हैं।

स्थानीय पुलिस के सिपाही और दरोगा भी भू माफियाओं के कब्जे के बाद ग्रामीणों को कुआ जगत और पहड़ी पर हुए अवैध कब्जा हटाने से रोक कर भूमाफियाओं को बल दे रही है कुएं की जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे को रोकने की कोशिश पुलिस को करनी चाहिए लेकिन वह कब्जा करा कर उसे हटाने वाले को रोक रही है पूर्व में उप जिलाधिकारी ने भी कुएं की जमीन पर अवैध कब्जे को रोकने का निर्देश दिया था लेकिन थाना पुलिस को पूर्व के निर्देश का पालन नहीं करना है थाना पुलिस की लचर व्यवस्था के चलते मौका मिलते ही कुएं की जमीन पर फिर भूमाफिया कब्जा शुरू कर देते हैं राजस्व अभिलेखों में भी कुएं की भूमि दर्ज है आखिर हिंदू धर्म में देवता की तरह कुआं की पूजा महिलाएं करती हैं और हिंदू धर्म के देवता का अपमान कर कब्जा करने में लगे भू माफियाओं को स्थानीय पुलिस का संरक्षण है कई दिन बीत जाने के बाद भी इस मामले में आला अधिकारी भी मौन है स्थानीय पुलिस और भू माफियाओं के इस लुका छुपी के खेल से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

बताया जाता है कि जब खेतों की सिंचाई कुएं के पानी से होती थी तो इस विशाल कुएं में दस बैल के सहारे पांच पहड़ी चलाकर ग्रामीण सैकड़ों बीघे खेत की सिंचाई करते थे एक बीघे क्षेत्रफल में यह कुआ पहड़ी और जगत फैला हुआ है लेकिन भू माफियाओं ने पहले पहड़ी की जमीन पर कब्जा किया फिर उनकी नियत कुए की जमीन पर खराब शुरू हो गई है कुएं और जगत की जमीन पर कब्जे का लुका छुपी का खेल खेल कर भूमाफिया कब्जा कर रहे हैं स्थानीय थाना के हल्का सिपाही और दरोगा की भूमिका भू माफियाओं को बल देने की है चचाओं पर जाएं तो चंद्र रुपए के टुकड़े में स्थानीय पुलिस भू माफियाओं की तरफदारी कर रही है जिससे कुए जगत पहड़ी की जमीन पर भूमाफिया बेखौफ तरीके से कब्जा कर रहे हैं बताया जाता है कि गांव के मौर्या बिरादरी के पूर्वजों ने सैकड़ों वर्ष पूर्व इस कुएं को बनवाया था और कब्जा करने वाले दूसरे बिरादरी के लोग हैं जो दूसरे जनपद से आकर कुछ दशक पहले इस जनपद में बसे हैं इतना ही नहीं भूमाफिया अपने को डिप्टी सीएम का नजदीक बताकर उनकी मयार्दा भी खराब करने पर लगे हैं।

कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद मे लाकडाउन के दृष्टिगत सरकार द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जनपद स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा अनावश्यक रूप से बाहर घूमने मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया, जिनमें 116 वाहनों का ई चालान किया गया एवं 01 वाहन का चालान कर 500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया तथा एक वाहन को सीज किया गया साथ ही बिना मास्क लगाये घूमने एवं सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये 01 व्यक्ति से 100 रुपये जुमार्ना वसूला गया।

एसपीसी छात्रों को दी गई जानकारी

कौशाम्बी। राजकीय हाई स्कूल बमरौली सिराथू के स्टूडेंट पुलिस कैडेट (एसपीसी) को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्य प्रणाली साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया साथ ही महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नम्बर-1090, 181, 112, 1098, 102, 1076 आदि की जानकारी दी गई।

प्रधानाध्यापक ग्राम प्रधान के विवाद ने खोल दी मिड डे मील के भ्रष्टाचार की कलाई

प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय में मिड डे मील में लाखों का गोलमाल हिस्सा बटवारा को लेकर प्रधानाध्यापक और ग्राम प्रधान का विवाद पहुंचा थाने

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सरसवा विकासखंड के बरुवा स्थित प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय में मिड डे मील योजना में लाखों घोटाले में ग्राम प्रधान और प्रधान अध्यापक के बीच हिस्से बंटवारे का विवाद सड़क पर आ गया है सोमवार की सुबह स्कूल खुलते हैं ग्राम प्रधान गौचारण और प्रधान अध्यापक शैलेन्द्र सिंह के बीच विद्यालय परिसर में हुए विवाद के बाद मामला स्थानीय कोतवाली पहुंच गया है प्रधानाध्यापक का आरोप है कि ग्राम प्रधान मिड डे मील के योजना में कमीशन मांग रहे हैं जबकि ग्राम प्रधान का कहना है कि गांव में मिड डे मील में बच्चों को दोपहर भोजन नहीं दिया जाता है और कभी दोपहर भोजन दिया जाता है तो बेहद घटिया क्वालिटी का होता है प्रधान का कहना है कि जब भोजन की गुणवत्ता पर प्रधानाध्यापक से गुणवत्ता सुधारने की बात कही गई तो प्रधानाध्यापक आग बबूला हो गए हैं बेसिक शिक्षा विभाग के मिड डे मील योजना में भ्रष्टाचार की बड़ी धांधली उजागर होने के बाद भ्रष्ट प्रधानाध्यापक के बचाव में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी और संगठन के नेता खड़े हो गए हैं शिक्षा विभाग के अधिकारी चाहते हैं कि मिड डे मील योजना के घोटाले के बाद दोनों के बीच हुआ विवाद सार्वजनिक ना हो सके जिससे शिक्षा विभाग के अधिकारी और संगठन के नेता प्रधानाध्यापक का बचाव करने की पूरी योजना बना रहे हैं। सरसवां बिकास खण्ड के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय बरुवा में प्रधान व प्रधानाध्यापक के संयुक्त खाते से मिड डे मील दोपहर भोजन योजना का कार्य कराया जा रहा है जब विद्यालय में प्रधानाध्यापक के द्वारा घटिया क्वालिटी के भोजन बनाए जाने का प्रधान ने विरोध किया तो प्रधानाध्यापक ने ग्राम प्रधान पर अभद्रता करते हुऐ गाली गलौज किए जाने का आरोप लगा दिया है दोनों के बीच स्कूल में जमकर नग्न तांडव हुआ है प्रधान के खिलाफ कार्रवाई के लिये शिक्षकों का प्रतिनिधि मंडल थानाध्यक्ष पश्चिम शरीरा से मिलकर कार्य वाही की मांग की प्रधानाध्यापक और ग्राम प्रधान विवाद को डीएम को गंभीरता से लेना होगा।

संपादकीय

लिंगानुपात में सुधार

भारत के लिए यह प्रसन्नता की बात है कि लिंगानुपात के अंतर्गत स्त्री का जो अनुपात घट रहा था, उसमें जन सांख्यिकीय बदलाव देखने में आया है। पहली बार महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक आई है। साथ ही लिंगानुपात 1020 के मुकाबले 1000 रहा है। यह जानकारी राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के निष्कर्षों से मिली है। स्त्रियों की संख्या 1000 के पार हो रही है तो इसका अर्थ है कि भारत आर्थिक प्रगति के साथ-साथ लिंगानुपात में भी विकसित देशों के समूह के बराबर आ रहा है। इसके लिए महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत मध्य-प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की गई लाडली लक्ष्मी योजना और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाएं रही हैं, जो शैक्षिक व वित्तीय समावेशन, लैंगिक पूर्वाग्रह तथा असमानताओं से लड़ने में सार्थक रही। इन योजनाओं की सफलता के बाद इन्हें केंद्र सरकार द्वारा देशभर में लागू किया गया, इसी का परिणाम है कि आज घर-आंगन और देश-प्रदेश में लड़कियां उन्मुक्त भाव से खिलखिला रही हैं। इन अभियानों के चलते 2015 के बाद से लिंगानुपात सुधरने में तेजी आई। नतीजतन 2019-20 में यह अनुपात 929 हो गया, जो 2011 की जनगणना में एक हजार की तुलना में 1020 था। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में तो बेटियों की संख्या 1011 से 1048 तक हो गई है। जबकि राजिम और देवभोग इलाकों में लिंगानुपात 950 से 990 के बीच रहा है। केरल में यह औसत 959, मिजोरम में 958 और गोवा में 954 रहा है। जिस पंजाब और हरियाणा में लड़कियां 1000 की तुलना में 850 के करीब रह गई थीं, वहां भी यह अनुपात 900 से ऊपर पहुंच गया है। मध्य-प्रदेश के ग्वालियर-चंबल अंचल में पुत्र जन्म की मनौती के लिए एक लोकोक्ति प्रचलन में है-ह्यलाली तू जा, लाला को ले आ।ह्य मसलन बेटी के जन्म पर प्रार्थना की जाती है कि ह्यबेटी तू तो जा अर्थात मौत को गले लगा ले और पुत्र के रूप में पुनर्जन्म ले।- इस बीज मंत्र का जाप करते हुए नवजात बेटी की जीवन-लीला खत्म कर देने के उपाय रच दिए जाते थे, लेकिन अब इस पूरे अंचल में लड़कियां मुस्कुरा रही हैं। मध्य-प्रदेश शासन की ह्यलाडली लक्ष्मी योजनाह्य के अस्तित्व में आने के बाद बेटी को आर्थिक सुरक्षा का जो आधार मिला है, उससे कुरीति का रूप ले चुकी मान्यता में आमूलचूल बदलाव की स्थिति है। पंजाब जिसे तुलनात्मक नजरिए से आर्थिक रूप से समृद्ध और शिक्षित होने के कारण देश का आदर्श राज्य माना जाता है, वहां लिंगानुपात बेहद चिंताजनक था, यहां के फतेहगढ़ साहब जिले में एक हजार बालकों पर मात्र 754 बालिकाएं रह गई थीं। यह देश का ऐसा जिला था, जहां सबसे ज्यादा लिंगानुपात गड़बड़ाया हुआ था, किंतु अब यह अनुपात 900 के करीब पहुंच गया है। देश के दस जिले ऐसे हैं, जहां लिंगानुपात जबरदस्त चिंताजनक स्थिति में है, उनमें सात पंजाब में स्थित हैं। इसके बाद दिल्ली, हरियाणा और गुजरात हैं। प्री नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक्स (पीएनडीटी) 1994 कानून क्रियाशील होने के बावजूद भ्रूण लिंग परीक्षण पर अंकुश नहीं लग पाया था। बल्कि विडंबना यह है कि आज तक इस कानून के तहत एक भी चिकित्सक के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई अंजाम तक नहीं पहुंच पाई है। ऐसी ही हैरतअंगेज परिस्थितियों के चलते एक सर्वेक्षण ने जो नतीजे दिए थे, वे चौंकाने वाले जरूर थे, लेकिन उनमें कड़वी सच्चाई थी। वैज्ञानिकों के एक समूह ने भारत में 2009 में 60 लाख लोगों पर एक राष्ट्रीय स्तर पर सर्वेक्षण किया। प्राप्त आंकड़ों का विष्लेषण करने पर पाया कि भारत में प्रति वर्ष पांच लाख कन्याएं जन्म ही नहीं ले पाती हैं।

उपभोक्ता अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने में निर्णायक

-डॉ. अशोक कुमार

गैर सरकारी स्तर पर उपभोक्ता शिक्षा अभियान की आवश्यकता है। साथ ही अनैतिक व्यापार में लिप्त वर्गों को व्यावसायिक पवित्रता, नैतिकता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाना भी जरूरी है ताकि उपभोक्ता बाजारवाद की कठपुतली न बने। इस संबंध में शासन की ओर से कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपभोक्ताओं को कहीं से भी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए 'ई दाखिल पोर्टल' प्रारंभ किया गया है जिसमें फाइलिंग, ऑनलाइन भुगतान, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई आदि के प्रावधान हैं ताकि उपभोक्ता के समय श्रम धन की बचत के साथ त्वरित न्याय मिल सके। जब तक उपभोक्ता स्वयं जागरूक जिम्मेदार नहीं बनेंगे अपने स्वर्णिम अधिकारों को जानेंगे नहीं तब तक उपभोक्ता अधिकारों का संरक्षण संभव नहीं। प्रत्येक व्यक्ति एक स्वाभाविक उपभोक्ता है चाहे वह शहरी-ग्रामीण, अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा कैसा भी हो।

अर्थ चिंतन की पूंजीवादी अवधारणा में यह स्वीकार्य था कि समाज में उपभोक्ता ही राजा होते हैं क्योंकि इनकी रूचि, पसंद और मांग ही पूरी अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने में निर्णायक होती है। इस स्थिति को अमेरिका के विलियम हेराल्ड हट ने पहली बार 'उपभोक्ता की सार्वभौमिकता' शब्द से निरूपित किया जैसा कि एक उच्च डच कहावत है "डी क्लांट इज कोनिंग" अर्थात ग्राहक राजा है। समय के बदलाव के साथ विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की संकल्पना ने उपभोक्तावादी संस्कृति को प्रोत्साहित किया। बाजार नियंत्रित समाजों में प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण सृजित हुआ जहां नैतिकता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों का अभाव था। विशुद्ध मुनाफाखोरी, कालाबाजारी, अनैतिक व्यापार की दूषित मानसिकता ने उपभोक्ता की सार्वभौमिकता के प्रभाव को निस्तेज कर दिया। यह धारणा विकसित हुई कि समाज के भीतर व्याप्त प्रत्येक तत्व उपभोग करने योग्य है। आवश्यकता बस इतनी है कि उसे सही तरीके से एक आवश्यक वस्तु के रूप में बाजार में स्थापित कर दिया जाए। उपभोक्ताओं को रूपहले मायावी, विज्ञापनों के आकर्षण की मृग मरीचिका से भ्रमित कर उनके लिए महंगी और गैर जरूरी वस्तुओं की भूख जागृत की। आधुनिक जीवन शैली को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बना दिया। बड़े-बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों ने स्वयं को सामाजिक दायित्व बोध से मुक्त कर अपने उत्पादों के खोखले दावों और मिथ्या प्रचार के भ्रम जाल में उपभोक्ताओं को कैद कर लिया। बड़े-बड़े लोकप्रिय सेलिब्रिटिओं ने भी कुछ अपवादों को यदि छोड़ दें तो बिना जांच-पड़ताल के ही ऐसे मिथ्या विज्ञापनों को रूपायित किया जो उपभोक्ताओं के प्रति उनकी गैर जिम्मेदारी को प्रकट करते हैं। फलस्वरूप उपभोक्ताओं को असल और नकल के बीच की महीन रेखा को पहचानना कठिन हो गया। ऐसी विषम परिस्थितियों ने उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए उपभोक्ता आंदोलन को जन्म दिया जो अमेरिका में रालफ नाडेर के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। 15 मार्च 1962 को अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने अमेरिकी संसद में उपभोक्ता संरक्षण संबंधी विधेयक को मंजूरी दी जिसमें उपभोक्ता सुरक्षा का, सूचित किये जाने, चयन करने और सुनवाई करने के अधिकार थे। बाद में प्रतितोषण पाने और उपभोक्ता शिक्षा का

अधिकार जोड़ा जो संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकार घोषणापत्र में भी सम्मिलित थे। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 15 मार्च 1983 से विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाना प्रारंभ किया। भारत में 1966 में मुंबई से फेयर प्रैक्टिस एसोसिएशन ने उपभोक्ता आंदोलन, उद्योगपति जेआरडी टाटा के नेतृत्व में प्रारंभ किया। 1974 में श्री बीएम जोशी ने पुणे में स्वयंसेवी संगठन के रूप में ग्राहक पंचायत की स्थापना की। तत्पश्चात देश के विभिन्न राज्यों में उपभोक्ता हितों के संरक्षण हेतु स्वयंसेवी संगठनों का गठन प्रारंभ हुआ और उपभोक्ता आंदोलन निरंतर आगे बढ़ता रहा। भारत सरकार ने कानूनी स्तर पर 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया जिसमें 1993 एवं 2002 में आवश्यक संशोधन किए गए। लेकिन सूचना क्रांति के विस्फोट के इस दौर में बाजार में आए बदलावों के चलते यह अनेक मामलों में लगभग अप्रासंगिक होने, अनुचित व्यापारिक लेन-देन, वस्तुओं के कृत्रिम संकट, मूल्यों में हेराफेरी, अमानक और गुणवत्ताहीन वस्तुओं के विक्रय, वस्तुओं के घटिया उत्पादों, वजन, माप, मात्रा में बेईमानी तथा नए बाजार के उपभोक्ताओं की बदली हुई जरूरतों को पूरा करने के संबंध में पर्याप्त समाधान नहीं कर सका। इसीलिए वर्ष 2019 में इस विधेयक में संयुक्त राष्ट्र संघ के उपभोक्ता संरक्षण पर जारी दिशा-निदेशों को समाविष्ट कर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू किया गया। विधेयक में उपभोक्ता वह व्यक्ति है जो अपने उपयोग के लिए कोई वस्तु खरीदता है या सेवा प्राप्त करता है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक तरीके से टेलिशॉपिंग, बहुस्तरीय मार्केटिंग या सीधे खरीद के जरिए किए जाने वाले सभी तरह के ऑनलाइन या ऑफलाइन लेनदेन भी सम्मिलित है किन्तु ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो व्यावसायिक उद्देश्य के लिए किसी वस्तु या सेवा को खरीदते हैं। इसमें उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा के लिए त्रिस्तरीय अर्ध न्यायिक तंत्र के तहत केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के गठन का प्रावधान है जो राज्य और जिला स्तर पर भी गठित होंगे। यह प्राधिकरण अनुचित व्यापार प्रथाओं, भ्रामक विज्ञापनों तथा उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों का विनियमन के साथ वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में भी कार्य करेगा जिसमें मुकदमे के बाद भी मध्यस्थता का प्रावधान है। विधेयक में उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के गठन का प्रावधान है। जिसमें कोई भी उपभोक्ता क्षेत्राधिकार अनुसार ऑनलाइन शिकायत कर सकते हैं। जिला आयोग के आदेश के विरुद्ध राज्य आयोग तथा राज्य आयोग के आदेश के विरुद्ध राष्ट्रीय आयोग में अपील और अंतिम अपील करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय सक्षम है। अनुचित अनुबंध के विरुद्ध शिकायत केवल राज्य और राष्ट्रीय आयोग में ही की जा सकेगी। कोई भी उपभोक्ता यदि मांगी गई क्षतिपूर्ति की राशि एक करोड़ रुपए है तो जिला स्तर पर, एक करोड़ से अधिक किन्तु 10 करोड़ से कम राशि होने पर राज्य स्तर पर और 10 करोड़ से अधिक राशि के मामलों की सुनवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के समक्ष होगी। इस विधेयक मंक ई-कॉमर्स और डिजिटल व्यापार के लिए नियमों विनियमों का प्रावधान जो सलाहकारी न होकर अनिवार्य है। जहां तक सेलिब्रिटीज का प्रश्न है वे समाज में अधिक लोकप्रिय प्रभावी और अनुकरणीय होते हैं। यदि उनके द्वारा भ्रामक विज्ञापन किया जाता है तो पहले अपराध के लिए दस लाख रुपये तथा 1 साल का प्रतिबंध जबकि दूसरे अपराध के लिए पचास लाख का जुमार्ना और 3 वर्ष तक प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। इसी प्रकार भ्रामक विज्ञापन के लिए कंपनियों पर भी शिकंजा कसते हुए पहले अपराध के लिए दस लाख और 2 वर्ष की जेल इसके बाद के अपराध के लिए 50 लाख रुपये जुमार्ना और 5 वर्ष तक की जेल तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट संबंधी प्रकरणों में जुमार्ने के साथ उम्र कैद की सजा का प्रावधान है।

भारत में उपभोक्ताओं को सशक्त समृद्ध बनाने के विशिष्ट प्रावधान होने के बावजूद सामाजिक आर्थिक समस्याओं, गरीबी, निरक्षरता, जानकारी का अभाव, क्रय शक्ति में कमी और उपभोक्ताओं के संगठित न होने के कारण उनके अधिकारों के दमन, ठगी, धोखाधड़ी व व्यापार संबंधी अनुचित क्रियाकलापों की घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं और विडंबना यह है कि पढ़े-लिखे तबके के उपभोक्ता भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। वे ठगे जाने पर भी मौन रहते हैं। शिकायत नहीं करते। निःसंदेह उपभोक्ताओं के संरक्षण हेतु सरकारी, गैर सरकारी स्तर पर उपभोक्ता शिक्षा अभियान की आवश्यकता है। साथ ही अनैतिक व्यापार में लिप्त वर्गों को व्यावसायिक पवित्रता, नैतिकता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाना भी जरूरी है ताकि उपभोक्ता बाजारवाद की कठपुतली न बने। इस संबंध में शासन की ओर से कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपभोक्ताओं को कहीं से भी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए 'ई दाखिल पोर्टल' प्रारंभ किया गया है जिसमें फाइलिंग, ऑनलाइन भुगतान, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई आदि के प्रावधान हैं ताकि उपभोक्ता के समय श्रम धन की बचत के साथ त्वरित न्याय मिल सके। जब तक उपभोक्ता स्वयं जागरूक जिम्मेदार नहीं बनेंगे अपने स्वर्णिम अधिकारों को जानेंगे नहीं तब तक उपभोक्ता अधिकारों का संरक्षण संभव नहीं। प्रत्येक व्यक्ति एक स्वाभाविक उपभोक्ता है चाहे वह शहरी-ग्रामीण, अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा कैसा भी हो।

पानी को पानी की तरह बहाना भारी पड़ जाएगा

नरविजय यादव

भारत में भूजल में खतरनाक दर से गिरावट आ रही है, जिसके एक दशक से भी कम समय में दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकलने की उम्मीद है। भारत की एक तिहाई से अधिक आबादी जल-दबाव वाले क्षेत्रों में रहती है और यह संख्या घटते भूजल और बढ़ते शहरीकरण के कारण बढ़ना तय है। विश्व संसाधन संस्थान की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत अत्यधिक जल संकट का सामना कर रहे 17 देशों में से एक है। पिछले कुछ दशकों में भारत में पानी का संकट बढ़ गया है क्योंकि धान और गन्ने जैसी पानी की खपत वाली फसलों के लिए अधिक से अधिक भूजल निकालने के लिए बोरवेल खोदे गए थे। आदर्श रूप से, सतही जल को मानसून के मौसम में तालाबों में एकत्रित किया जाना चाहिए और भूजल के बजाय पूरे वर्ष इस संग्रहित जल का उपयोग किया जाना चाहिए। सेंट्रल ग्राउंडवाटर बोर्ड द्वारा चैक किए गए देश के 60 प्रतिशत से अधिक कुओं के जल स्तर में पिछले एक दशक में गिरावट दर्ज की गई। कृषि कार्यों के लिए भूजल का अंधाधुंध इस्तेमाल करने के कारण पंजाब भूजल की कमी से जूझ रहा है और राज्य का 80 प्रतिशत क्षेत्र रेड जोन में आ चुका है। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी और पंजाब एनर्जी डवलपमेंट एजेंसी द्वारा कराई गई वर्कशॉप में एक विशेषज्ञ ने जानकारी दी कि पंजाब में बिजली से चलने वाले 16 लाख ट्यूबवेल जमीन के नीचे से लगातार पानी खींचते रहते हैं, जिससे ग्राउंडवाटर लेवल चिंताजनक स्थिति में पहुंच चुका है।

हालत यह है कि भूजल स्तर हर साल एक मीटर नीचे जा रहा है। जल स्तर में कमी का अध्ययन करने के लिए गठित पंजाब विधानसभा समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि यदि भूमिजल को खींचने का मौजूदा ट्रेंड जारी रहा तो राज्य अगले 25 वर्षों में रेगिस्तान में बदल जाएगा। सरल शब्दों में कहा जाए तो हम जितना पानी जमीन में वापस भर रहे हैं उससे कहीं अधिक पानी अपने इस्तेमाल के लिए खींच रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप जल स्तर नीचे जा रहा है। इससे पंजाब के मरुस्थलीकरण का खतरा पैदा हो गया

है। पंजाब में जल निकासी की दर पुनःपूर्ति की दर के मुकाबले 1.66 गुना अधिक है। पंजाब में 1966-67 में हरित क्रांति के समय धान की खेती को बढ़ावा मिला, जिसमें पानी की खपत बहुत अधिक होती है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि पानी का उपयोग करने वाले किसानों, शहरी निकायों और औद्योगिक इकाइयों के लोगों को पानी और बिजली बचाने के उपायों के बारे में जागरूक किया जाए और उन्हें भूजल के गिरते स्तर से होने वाले खतरों के प्रति आगाह किया जाए। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी नयी रिपोर्ट में पृथ्वी पर मंडराते जल संकट पर चेतावनी जारी की है। रिपोर्ट कहती है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से सूखा, बाढ़ और पेयजल संबंधी संकटों में बढ़ोतरी हो रही है। दि स्टेट ऑफ क्लाइमेट सर्विस 2021 नामक इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018 में लगभग 3.5 अरब आबादी के पास साल में ग्यारह माह के लिए पानी उपलब्ध था। ऐसी आशंका जतायी जा रही है कि यदि एहतियाती कदम नहीं उठाये गये तो वर्ष 2050 तक पानी का संकट झेलने वाले लोगों की संख्या 5 अरब हो सकती है।

विचार

संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों का राजनीतिकरण

प्रियंका 'सौरभ'

आज के दौर में राजनीतिकरण की एक ऐसी प्रथा शुरू हो गयी है जिसमें चुनाव जीतने वाला राजनीतिक दल अपने कार्यकताओं और सक्रिय समर्थकों को संवैधानिक या सरकारी पदों पर नियुक्ति के द्वारा पुरस्कृत कर रहा है और अन्य एहसानों के साथ उसे अपने सरंक्षण में रख रहा है। ऐसा होने से संवैधानिक निकाय अपनी गरिमा को खोते जा रहें है। देखें तो संवैधानिक निकाय वे निकाय हैं जिनका उल्लेख संविधान में किया गया है और संविधान से अपनी शक्ति और अधिकार प्राप्त करते हैं। उदाहरण के लिए यूपीएससी, सीएजी आदि। मगर राजनितिक तौर पर पुरस्कृत लोग जब इन निकायों में प्रवेश करते हैं तो वो ये गरिमा पहचान ही नहीं पाते। यही नहीं नियुक्ति का राजनीतिकरण लोकतांत्रिक शासन को गहरे तक प्रभावित करता है। संवैधानिक पदों पर ऐसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी और कार्य निहित हैं जो उन्हें जवाबदेही सुनिश्चित करने में मदद करते हैं। राजनीतिक नियुक्ति के साथ ऐसे निकायों के एजेंडे की बलि दी जाती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र और, निश्चित रूप से, पश्चिम बंगाल के राज्यपालों ने अपनी भूमिका इस तरह से निभाई है कि कार्यालय की महिमा को जोड़े बिना उन्हें अत्यधिक विवादास्पद बना दिया है। राजदूतों, राज्यपालों, आयोगों, निगमों, परिषदों, समितियों और अकादमियों के अध्यक्ष, सहकारी और ग्रामीण बैंकों के चेयरमैन वगैरह के राजनीतिक दरवाजे से भीतर आने का चलन खत्म होने वाला नहीं है. चूंकि नियुक्ति राजनीतिक रास्ते से होती है, इसलिए सत्ता परिवर्तन के समय थोक के भाव इस्तीफे या बर्खास्तगियाँ भी लाजमी हैं। दिक्कत तब होती है जब राजनीति और गैर-राजनीति का भेद मिटता है. सुप्रीम कोर्ट की इच्छा है कि बड़े स्तर पर पुलिस सुधार हो लेकिन कांस्टेबल तक की नियुक्ति में राजनीति प्रवेश कर गई है. डॉक्टरों, इंजीनियरों, जूनियर इंजीनियरों से लेकर टीचरों तक की नियुक्ति, तबादले, तरक्की तक राजनेताओं के हवाले हो रही है। राज्यों में लालबत्ती संस्कृति ने प्रशासनिक पदों पर भी राजनीतिक नियुक्ति के रास्ते खोल दिए है.अमरीका में राजनीतिक भर्तियों को स्पॉइल्स सिस्टम और योग्यता के आधार पर भर्ती को मेरिट सिस्टम कहते हैं। हमारा मेरिट सिस्टम स्पॉइल क्यों हो रहा है? हमारे देश में स्पीकर का पद राजनीति से परे नहीं है लेकिन ब्रिटेन में हाउस ऑफ कॉमन्स का जो सदस्य स्पीकर चुना जाता है वह पहले अपने राजनीतिक दल से त्यागपत्र देता है. स्पीकर चुने जाने के बाद वह अगले चुनाव के बाद भी स्पीकर पद पर बना रहता है. वह जिस क्षेत्र से चुना जाता है वहाँ से उसके खिलाफ किसी दल का प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ता. यह परंपराओं को बनाने की बात है.हमारे यहाँ राज्यसभा में सदस्यों के मनोनयन की परंपरा है. राजनीतिक नियुक्तियों पर भी आपत्ति नहीं है लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि किस पद से किन हालात में हट जाना होगा। राजनीतिक पोस्टिंग के कारण जांच करने और निर्णय देने में देरी हो रही है। इसके अलावा, एक धारणा यह भी है कि आयोग ज्यादातर मामलों में सरकार की स्थिति की पुष्टि करता है। एससी और एसटी के लिए राष्ट्रीय आयोग होने के बावजूद एससी के तहत बहुसंख्यक लोगों पर अत्याचार और पिछड़ापन आजादी के 70 साल बाद भी जारी है। वे वन अधिकारों, एसटी के कल्याण को सुरक्षित करने में विफल रहे हैं जो उनके सामाजिक संकेतकों में देखा जा सकता है।

उदाहरण के लिए उना, गुजरात में दलितों की हत्या जैसी घटनाएं; हरियाणा में जाति से संबंधित ऑनर किलिंग से पता चलता है कि एनसीएससी या एनसीएसटी अप्रभावी रहा है। अधिकांश राज्य सेवा आयोग भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद आदि जैसे विवादों में उलझे हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद सीएजी अपनी राजनीतिक नियुक्ति के कारण चुनौतियों से गुजरा है, सरकार के दबाव में सीएजी द्वारा अनदेखे कई कार्य हैं। चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का सर्वोच्च अधिकार होने के कारण कई बार सरकार के निशाने पर आ जाता है।

किसी साइकिल सवार को देख भजनखबरी को अपनी साइकिल याद आ गयी...

डॉ. सुरैश

अपने भविष्य की चिंता में शीशे के बाहर पसरा अंधियारे भरे धुंध के बीच किसी साइकिल सवार को देख भजनखबरी को अपनी साइकिल याद आ गयी। साइकिल से उसका बहुत पुराना याराना है। उसके याराने की निशानी घुटनों और कलाई पर साफ देखी जा सकती है। गाँव के नाले, खड़ढे और और सड़क के नाम पर शापग्रस्त राक्षस के खुरदरे चेहरे वाले मार्ग पर कइयों बार हाथ-पैर तुड़वाकर उससे बहुत चिढ़ने वाली साइकिल को बड़ी मुश्किल प्रपोज किया था। प्रपोज करने से लेकर उसे पटाने तक कई बार पढ़ाई की बलि चढ़ा दी। कभी पेट का दर्द, कभी सिर का दर्द, कभी इधर का दर्द कभी उधर का दर्द कहकर उस पर सवार होने का हर उपाय आजमा डाला। एक बार जो साइकिल चढ़ जाता तो मानो सारी दुनिया उसे छोटी लगने लगती। ऐसा लगता कि वह साइकिल पर नहीं हवाई जहाज पर सवार हो। गाँव के लोग उसकी ओर ठुड्डी के नीचे हाथ लगाए ऐसा देखता मानो उसने कोई बड़ा काम कर दिया हो। वह अपने लोहे के घोड़े पर सवार होने का कोई मौका नहीं गंवाता।

बनिए की दुकान से सामान लाना हो, किसी दोस्त के पास जाना हो, फिर किसी को चिढ़ाना या मारना-पीटना हो, या फिर किसी लड़की को लाइन मारना हो, सबके लिए एक ही उपाय था -साइकिल, साइकिल, साइकिल। खुद नहाए न नहाए लेकिन साइकिल को जरूर नहलाता था। एक बार नहीं, कई बार। इस चक्कर में लोहा जंग खाकर गलने लगा।

बहुत ज्यादा ऑयल-ग्रीस की लीपापोती करने से साइकिल की चैन ऐसे उतरती जैसे बारिश में भीगे हुए की छींक वह इसके दाना-पानी के चक्कर में अपना दाना-पानी ही भूल जाता। उसे अच्छी तरह याद है बचपन में नई चमचमाती अटलस साइकिल को बड़ी हसरत से देखा करता था। तब साइकिल के लिए दिन न इधर के थे न उधर के। । पर समय तो बेवफाओं की तरह हमेशा बदलता रहता है। आज वह भगवान की कृपा से मर्सिडीज पर सवारी कर रहा है। शहरों को तो छोड़िये, कस्बों और गावों तक की सड़कों से साइकिल धूम मचाले बाइकों को देखकर ऐसे गायब हुए जैसे चुनावों के बाद नेता।

गावों में भी अब मोटरसाइकिल ज्यादा हैं साइकिल कम। शोर-शराबा ज्यादा शांति कम। बाइकों की अफरा-तफरी चाल के आगे साइकिल मदमस्त चाल आज आई.सी.यू. में पड़ी हुई है। एक जमाना था साइकलि चलाते सेहत बनाते थे और अब दुपहिया-चौपहिया चलाते हैं सिर्फ पेट बढ़ाते हैं। साथ ही हरियाली की बदहाली गाँव-शहर की प्रगति की शोभा हो गई।

अब न वो पिता मिलेंगे जो साइकिल पर चढ़ाए बर्फ के लाल-पीले गोले खिलाने बाजार ले जाते थे। अब तो बाइकों पर सवार होकर प्रदूषित आबोहवा में दो पावो के बीच दबे संस्काहीनता का स्टफ बड़े चाव से खाते हैं। भारत से इंडिया बनने का यह सफर संस्कारहीनता का सिफर है।

चाटने का अखंड कार्यक्रम कर रहे

रामविलास जांगिड

होली के अवसर पर थूकने और चाटने की प्रक्रिया जारी है। हारी हुई पार्टी के हारे हुए नेता हारे हुए आलाकमान को जीत की बधाई देकर चाटने का अखंड कार्यक्रम कर रहे हैं। जीती हुई पार्टी के जीते हुए नेता पर हारा हुआ अन्य पार्टी का नेता अपना विशिष्ट थूक उछाल रहा है। पड़ोसी के साथ अंतरराष्ट्रीय नाली विवाद कार्यक्रम को और ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए नत्थूलाल खुलकर थूक मार रहा है। होली के अवसर पर एक ही व्यक्ति जाने कब थूक देता है और वही व्यक्ति जाने कब चाट लेता है, यह सब बुरा न मानो होली है, के टैग वाक्य से कहना शुरू कर देता है। होली कब बन जाए बातों की गोली। घूम रही है गली-गली थूकने वालों की टोली। सियासत व साहित्य में कौन व्यक्ति हमजोली का पुराना कपड़ा पहनकर थूकना शुरू कर दे, इसका किसी को पता नहीं चलता है। वैसे थूकना और चाटना एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। जो जीव कुशलतापूर्वक थूक सकता है और होशियारी से चाटने की कलाकारी कर सकता है, वह संसार का सबसे सफल व्यक्ति बन जाता है। कब थूकना है? कैसे थूकना है? कब चाटना है? किस ढंग से चाटना है? यह सब तकनीकी ज्ञान जिस किसी जीव को आ जाता है, वह सकल संसार का अधिस्वामी बन जाता है। यह दिव्य ज्ञान होली पर खूब उछाला जाता है। अपने मुंह में जमा सारा थूक बाहर निकाला जाता है। हैं-हैं-हैं! हम तो आपको होली की शुभकामनाएं देने आए हैं। ऐसा कहकर गालों पर केमिकल तेजाब लगाने का कार्य करने वाला बहुरूपिया अपना उद्देश्य पूरा करता है। बाहर से चाटता दिखाई देने वाला यह बहुरूपिया अंदर से थूकने लगता है। इस तरह से थूकन-चाटन कार्यक्रम एक साथ चलता है। मुंह से ईर्ष्या, निंदा, जलन, छीजन आदि पदार्थों को जबरन बाहर निकालने की क्रिया थूकना होती है।

हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट नें बेलग्रेड फीडे ग्रां प्री शतरंज का खिताब

बेलग्रेड (सर्बिया) फीडे ग्रां प्री के दूसरे चरण का खिताब हंगरी के युवा ग्रांड मास्टर रिचर्ड रापोर्ट नें अपने नाम करते हुए फीडे कैंडीडेट मे जगह बनाने के लिए अपना बेहद मजबूत दावा पेश कर दिया है । बर्लिन मे हुई पहली ग्रां प्री मे रिचर्ड नें सेमी फाइनल मे जगह

बनाकर 7 अंक अर्जित किए थे जबकि इस बार उन्हे विजेता बनने के कारण सर्वाधिक 13 अंक मिले । फाइनल मुक़ाबले मे रिचर्ड नें फीडे /सीएफ़आर के दिमित्री आन्द्रेकिन को 1.5-0.5 से पराजित किया ।पहला क्लासिकल मुक़ाबला दोनों के बीच ड्रॉ रहा था और ऐसे मे दूसरा मुक़ाबला काफी खास था , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए रिचर्ड नें क्वीन्स गेंबिट अकसेपटेड में अपने राजा के खतरे का शानदार आकलन करते हुए 31वीं चाल मे अपने हाथी की कुर्बानी देते हुए खेल में मजबूत बढ़त हासिल की और 46 चालों में बाजी जीत ली । दूसरे स्थान पर रहने वाले आन्द्रेकिन को 10 अंक हासिल हुए । वैसे बर्लिन और बेलग्रेड ग्रां प्री के बाद रिचर्ड 20 अंक , यूएसए के हिकारु नाकामुरा 13 अंक और लेवोन अरोनियन 10 अंको पर है । बर्लिन में होने वाली अंतिम ग्रां प्री के बाद शीर्ष दो खिलाड़ी फीडे कैंडीडेट में जगह बना लेंगे ।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा

ब्रिजटाउन। क्रिकेट वेस्टइंडीज पुरुष चयन पैनल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। यह मैच केंसिंग्टन ओवल में 16 से 20 मार्च तक खेला जाएगा। एंटीगुआ के

सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट मैच में ड्रॉ के बाद तीन मैचों की सीरीज 0-0 से बराबर है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य चयनकर्ता डॉ. डेसमंड हेन्स ने एक बयान में कहा कि एंटीगुआ में यह पहला मुकाबला कठिन था और हमने बारबाडोस में दूसरे मैच के लिए उन्हीं 13 खिलाड़ियों के साथ रहने का फैसला किया। बोनर को जिस तरह से आपको खेलना चाहिए, उसका प्रदर्शन किया और जिस तरह से उन्होंने पहली पारी में और फिर दूसरी पारी में जैसे खेला उससे हम बहुत खुश थे। यह सभी गेंदबाजों के लिए एक कड़ी मेहनत थी और जिस तरह से वे कार्य पर टिके रहे, उससे हम बहुत खुश थे।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज टीम :

क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), जर्मेन ब्लैकवुड (विकेटकीपर), नक्रमाह बोनर, शमरह ब्रूक्स, जॉन कैंपबेल, जोशुआ डा सिल्वा, जेसन होल्डर, अल्जारी जोसेफ, काइल मेयर्स, वीरासामी पर्मौल, एंडरसन फिलिप, केमार रोच, जेडन सील्स

सीएसके को रुतुराज और दीपक की चोट पर फिटनेस अपडेट का इंतजार

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा कि टीम प्रबंधन को अब भी अपने अहम खिलाड़ियों रुतुराज गायकवाड़ और दीपक चाहर की फिटनेस पर अपडेट का इंतजार है। इन दोनों को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के दौरान चोट लगी थी। रुतुराज के हाथ में चोट लगी है जबकि चाहर की पैर की मांसपेशियों में चोट है जिसके कारण उन्हें कम से कम छह से आठ हफ्ते तक बाहर रहना होगा। संभावना है कि चाहर आईपीएल के शुरुआती चरण में नहीं खेल पाएं। सीएसके के उपलब्ध खिलाड़ी सूरत में जुट चुके हैं और लालाभाई कांट्रेक्टर स्टेडियम में शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। यहां भारतीय महिला टीम के कई मुकाबलों का आयोजन हुआ है।

दूसरे दिन का खेल खत्म, श्रीलंका 28/1

बेंगलुरु। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच डे नाइट टेस्ट के रूप में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। श्रीलंका ने मैथ्यूज की 43 रन की पारी की बदौलत पहली पारी 109 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक पांच विकेट अपने नाम किए। इससे पहले भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और भारत ने पहले दिन श्रेयस अय्यर की 92 रन की पारी की बदौलत पहली पारी में 252 रन बनाए। भारत के पास 143 रन की बढ़त है। भारत ने विकेट के नुकसान पर 303 रन पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी और श्रीलंका को 447 रन का लक्ष्य दिया। दूसरे दिन का खेल खत्म, स्कोर 28/1

श्रीलंका (दूसरी पारी)

दूसरे दिन के खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने एक विकेट के नुकसान पर 28 रन बना लिए हैं और वह लक्ष्य से अभी भी 419 रन दूर है।

447 रन के लक्ष्य का पीछा करने आई श्रीलंका की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम को लाहिरू थिरिमाने के रूप में पहला झटका लगा। थिरिमाने को बुमराह ने शून्य पर पवेलियन लौटाया।

भारत (दूसरी पारी)

भारतीय टीम का 9वां विकेट अक्षर पटेल के रूप में गिरा। अक्षर पटेल 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके साथ ही कप्तान रोहित शर्मा ने भारत की पारी 303 रन पर घोषित कर दी।

अच्छी बल्लेबाजी कर रहे श्रेयस अय्यर को एम्बुलडेनिया ने अपना शिकार बनाया। अय्यर ने मुश्किल पिच पर 9 चौकों की मदद से 67 रन बनाए।

जयविक्रमा ने अश्विन को आउट करके भारतीय टीम को 7वां झटका दिया। अश्विन 13 रन बनाकर आउट हुए।

रविंद्र जडेजा को विश्वा फर्नांडो ने 22 रन बनाकर आउट कर दिया और श्रीलंकाई टीम को छठी सफलता दिलाई।

पंत ने तेज तर्रार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए जयविक्रमा की गेंद पर उन्हें के हाथों कैच आउट होकर अपना विकेट गंवा दिया। पंत 50 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

विराट कोहली के शतक का इंतजार जारी है। वह जयविक्रमा की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए।

हनुमा विहारी जयविक्रमा की गेंद को पढ़ने में नाकाम रहे और 79 गेंदों पर 35 रन बनाकर बोल्ड हो गए।

रोहित शर्मा उस समय अर्धशतकीय पारी से चूक गए जब 46 रन पर उन्हें धनंजया डी सिल्वा ने अपना शिकार बनाया और मैथ्यूज के हाथों कैच आउट करवाया। मयंक अग्रवाल दूसरी पारी में भी अपना कमाल नहीं दिखा पाए और मात्र 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मयंक एम्बुलडेनिया की गेंद पर धनंजया डी सिल्वा के हाथों कैच आउट हुए।

सुरंगा का संन्यास: विराट-राहुल ने पीठ थपथपाई

बेंगलुरु में आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लकमल

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच खेला जा रहा है। मैच के दौरान टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड और पूर्व कप्तान विराट कोहली श्रीलंकाई तेज गेंदबाज सुरंगा लकमल की पीठ थपथपाते नजर आए। दरअसल सुरंगा लकमल का यह आखिरी टेस्ट मैच है।

इस मैच को बाद वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। वो पहले ही अपने संन्यास का घोषणा कर चुके हैं। उनके आखिरी मैच में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। लकमल ने श्रीलंका के लिए 70 टेस्ट में 171 और 86 वनडे में 109 विकेट लिए हैं।

भारत के खिलाफ ही किया था इंटरनेशनल डेब्यू

सुरंगा लकमल ने 35 साल की उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ने का ऐलान कर दिया

है। उन्होंने लगभग 13 साल पहले दिसंबर 2009 में श्रीलंका के लिए भारत के खिलाफ ही नागपुर में वनडे डेब्यू किया था।

कुछ ही समय बाद उन्हें कोलंबो में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू का मौका मिल गया। लकमल पिछले 12 साल से लगातार श्रीलंका के लिए वनडे और टेस्ट मैच खेलते रहे। भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले लकमल के करियर का अंत भी भारत के खिलाफ हो रहा है।

बारबाडोस में टेस्ट मैच जीतने वाले एकलौते एशियाई कप्तान

सुरंगा लकमल ने 5 टेस्ट मैच में श्रीलंका टीम की कप्तानी भी की और इस दौरान एक ऐसा रिकॉर्ड कायम किया जो कोई और एशियाई कप्तान आज तक नहीं कर सका। लकमल बारबाडोस में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में जीत हासिल करने वाले एकलौते एशियाई कप्तान हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जर्मनी को शूट आउट में हराया

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने कल जर्मनी से मिली हार के परिणाम को बदलते हुए मेहमान टीम को पेनल्टी शूट आउट में रविवार को 3-0 से हरा दिया।

निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था। जर्मनी ने पहले मैच में भारत को शूट आउट में 2-1 से हराया था। भारत ने इस जीत से बोनस अंक भी हासिल किया। भारत की नवनीत कौर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

पठान ने रोहित की तुलना धोनी से की, कहा- धोनी कैप्टून कूल तो रोहित ककड़ी की तरह कूल हैं

बेंगलुरु। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भारत के कप्तान रोहित शर्मा की तुलना महान कप्तान एमएस धोनी से की है। पठान ने इस पर कहा कि जहां धोनी को कैप्टन कूल कहा जाता है, वहीं रोहित 'ककड़ी' की तरह कूल हैं। नवंबर 2021 से रोहित के शासनकाल में घरेलू सीमित ओवरों की श्रृंखला में व्हाइटवॉश दर्ज करने के बाद भारतीय टीम अब श्रीलंका के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से जीत के कगार पर है। पठान ने कहा कि हर खिलाड़ी अपने करियर में उस दौर से गुजरता है जब वह प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं होता है और केवल निराशा के साथ छोड़ देता है। मौजूदा टीम में ऐसे दो खिलाड़ी हैं- जडेजा और रोहित। जडेजा ने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से पीछे मुड़कर नहीं देखा... और 2011 विश्व कप के बाद से रोहित बहुत बदल गए हैं। उनके टैलेंट की खूब चर्चा होती थी। लेकिन वह खुद कहेंगे कि वह सिर्फ प्रतिभा से कहीं ज्यादा थे। पूर्व

क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने अपने कौशल पर कड़ी मेहनत की और सबसे अच्छा मौका 2013 चैंपियंस ट्रॉफी में आया। उन्हें पारी की शुरुआत करने की भूमिका दी गई और इसने रोहित के करियर को दूसरे स्तर पर पहुंचा दिया। उनका प्रदर्शन एक पायदान ऊपर था और इससे उनकी निरंतरता में भी सुधार हुआ। हम धोनी के मिस्टर कूल होने की बात करते हैं लेकिन रोहित खीरे (ककड़ी) की तरह कूल हैं। पठान ने आगे कहा कि उन्हें सीजन के बीच में मुंबई इंडियंस का कप्तान भी नियुक्त किया गया था। उन्होंने रिकी पोंटिंग की जगह ली और मुंबई फ्रेंचाइजी को पूरी तरह से बदल दिया। मुंबई बहुत सारी बैठकें करता है और इस प्रक्रिया में विस्तार से शामिल होना एक कठिन काम है। पठान ने कहा कि किसी को रोहित से सीखना चाहिए कि कैसे अपने कंधों पर टीम उठानी है और अपनी टीम के विकास में शामिल होना है।

कपिल देव ने की 'निडर' रवींद्र जडेजा की प्रशंसा, कहा- मुझे उनके खेल से प्यार है

मुंबई। महान भारतीय ऑलराउंडर कपिल देव ने रवींद्र जडेजा की प्रशंसा की है। गेंद के साथ विकेट लेना हो या निचले क्रम में मैच-परिभाषित बल्लेबाजी करनी हो, जडेजा ने अपने कौशल से सभी को प्रभावित किया है। इसके अलावा, वह शीर्ष क्रम के टेस्ट ऑलराउंडर बन गए हैं। कपिल भी जडेजा के शानदार प्रदर्शन से काफी खुश हैं और उन्होंने सौराष्ट्र में जन्मे इस क्रिकेटर की जमकर तारीफ की। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल ने बिना किसी दबाव के खेलने की दक्षिणपूर्वी की क्षमता की सराहना की। जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच के दौरान रिकॉर्ड बनाते हुए 175 रनों की लुभावनी पारी खेली। बाएं हाथ के स्पिनर ने खेल में कुल नौ विकेट लिए और श्रीलंका को पारी की हार का सामना करना पड़ा।

कपिल देव ने ने कहा मुझे नए क्रिकेटरों के बीच रवींद्र जडेजा

का खेल पसंद है क्योंकि वह बिना दबाव के खेलते हैं। वह क्रिकेट का लुत्फ उठाते हैं। इसलिए वह गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी माहिर हैं।

वह क्षेत्ररक्षण में भी बहुत अच्छा काम करते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना ??है कि दबाव में कुछ भी ठीक से नहीं किया जा सकता है। अगर आप क्रिकेट के क्षेत्र में दबाव बनाते हैं तो आपका प्रदर्शन खराब होगा। कपिल से जब पूछा गया कि उनके दिल के सबसे करीब कौन सा क्रिकेट स्थल है तो उन्होंने कहा एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम का नामकरण करने में कोई हिचकिचाहट नहीं थी क्योंकि उन्होंने आयोजन स्थल पर एक शानदार समय का आनंद लिया। 131 टेस्ट खेलने वाले कपिल ने कहा, मैं गर्व से कह सकता हूं कि चेपॉक उन मैदानों में से एक है जहां मैं कभी असफल नहीं हुआ।

गुजरात टाइटंस ने लांच की अपनी टीम की जर्सी, पांड्या ने कहा- आईपीएल में दूंगा यह सरप्राइज

अहमदाबाद। फिट होकर वापसी कर रहे नई टीम गुजरात लायंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने दावा किया कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनकी गेंदबाजी 'सरप्राइज' होगी। पीठ की सर्जरी के बाद गेंदबाजी के कार्यभार का प्रबंधन करने के नाकाम रहा भारत का यह स्टार आलराउंडर अपना पिछला मुकाबला आठ नवंबर को दुबई में टी20 विश्व कप के दौरान नामीबिया के खिलाफ खेला था जिसके बाद वह आईपीएल में वापसी करेगा। यह पूछने पर कि क्या वह दोबारा गेंदबाजी करेंगे, हार्दिक ने कहा कि यह सरप्राइज होगा। यहां टीम के घरेलू मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम की जर्सी के लांच के दौरान पंड्या ने कहा कि सर, यह सरप्राइज होगा, इसलिए इसे सरप्राइज ही रहने

दीजिए।

पंड्या को गुजरात टाइटंस ने नीलामी पूर्व ड्राफ्ट में 15 करोड़ रुपये में खरीदा और उन्हें अपनी टीम का कप्तान बनाया। पंड्या ने कहा कि कप्तानी मानव प्रबंधन से जुड़ी है। सफलता उनकी होगी, विफलता मेरी। हमारी भूमिका यह सुनिश्चित करने की होगी कि खिलाड़ियों को जो भी जिम्मेदारी मिले उसमें वे सहज रहें।

ख्वाजा के बाद कैरी का जलवा, आस्ट्रेलिया के 8 विकेट पर 505 रन

कराची। एलेक्स कैरी (93 रन) की अगुआई में आस्ट्रेलिया के निचले बल्लेबाजी क्रम ने पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण को धत्ता साबित करते हुए रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक 8 विकेट पर 505 रन बना लिए। कैरी पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम की कामचलाऊ स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हुए और शतक से सात रन से चूक गए। कैरी और मिशेल स्टार्क ने लगभग पूरे अंतिम सत्र में बल्लेबाजी की और धीमे विकेट पर 98 रन की भागीदारी निभाकर पाकिस्तानी गेंदबाजों को निराश किया। कैरी ने तीन घंटे से ज्यादा समय तक बल्लेबाजी करते हुए 159 गेंद की पारी में सात चौके और दो छक्के लगाए। स्टार्क चाय से पहले कैरी के साथ क्रीज पर पहुंचे थे और 28 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद

हैं। इससे पहले पाकिस्तान में जन्में उस्मान ख्वाजा ने दूसरे सत्र में आउट होने से पहले दो दिन में नौ घंटे 12 मिनट तक चली मैराथन पारी में 160 रन बनाए। आस्ट्रेलियाई टीम दो दिन में 180 ओवर तक पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने डटी है। आस्ट्रेलिया ने इस तरह एशिया में 14 साल में एक टेस्ट पारी में सबसे ज्यादा ओवर तक बल्लेबाजी की। इससे पहले 2008 में उसने दिल्ली में भारत के खिलाफ 179.3 ओवर तक बल्लेबाजी की थी और पूरी टीम ने 577 रन बनाए थे। कैरी और स्टार्क ने अपनी साझेदारी के दौरान पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबदबा बनाया, पर बाबर ने आखिर दिन का खेल समाप्त होने से पहले इस भागीदारी को तोड़ दिया। सुबह 127 रन से पारी आगे बढ़ाने वाले ख्वाजा ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों का आराम से सामना किया, पर दूसरे सत्र में ऑफ स्पिनर साजिद खान (151 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गए। वह साजिद पर रक्षात्मक शॉट खेलने के प्रयास में गेंद की लाइन चूककर आउट हुए। पाकिस्तान ने दूसरे सत्र में तीन विकेट झटके जिसमें साजिद ने दो जबकि बाएं हाथ के स्पिनर नौमान अली (115 रन देकर एक विकेट) ने कैमरून ग्रीन (28) को ब्रेक से पहले अंतिम ओवर में आउट किया। साजिद ने इससे पहले ट्रेविस हेड (23) को फुल लेंथ गेंद पर पगबाधा आउट किया। ख्वाजा जब आउट होने के बाद मैदान से लौट रहे थे तो दर्शक उनका नाम पुकारकर उन्हें चीयर कर रहे थे। इस बल्लेबाज ने भी अपना बल्ला उठाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबदबा बरकरार रखते हुए आस्ट्रेलिया ने पहले सत्र में एक विकेट गंवाकर 81 रन जोड़े थे।इससे पहले पाकिस्तान के लिये सुबह का सत्र निराशाजनक रहा, जिसमें उसे एकमात्र विकेट रात्रिप्रहरी नाथन लियोन (38) के रूप में मिला। सपाट पिच से न तो पाकिस्तान के स्पनरों और न तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। आस्ट्रेलिया ने सुबह तीन विकेट पर 251 रन से खेलना शुरू किया।

लाइव मैच के दौरान मैदान में घुसे दर्शक, पहले विराट कोहली के साथ सेल्फी ली

बेंगलुरु। भारत और श्रीलंका के बीच बेंगलुरु में दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन स्टेडियम में गजब की चहल-पहल रही और पूरा स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा था। डे-नाइट मैच के दौरान दर्शकों की दीवानगी इस कदर बढ़ी की वह लाइव मैच के दौरान मैदान में घुस गए और इसके बाद जो हुआ, उससे आपको हंसी आ

जाएगी।दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन चार दर्शक बायो बबल तोड़कर चिन्नास्वामी स्टेडियम के मैदान में घुस गए और विराट कोहली के साथ सेल्फी ली। मैदान पर ऐसा नजारा था कि फैंस कोहली के साथ सेल्फी ले रहे थे और लगभग पांच मिनट तक पुलिस को कुछ पता नहीं चला। जब दो फैन्स ने सेल्फी ले ली, फिर पुलिस एक्शन में आई और दोनों को खदेड़ दिया। तभी एक और शख्स मैदान में घुसा। हालांकि, वह कोहली के साथ सेल्फी लेने में कामयाब नहीं हो सका।यह घटना दूसरे दिना का खेल खत्म होने से कुछ समय पहले की है। जिस समय यह घटना घटी, उस वक्त श्रीलंकाई टीम दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रही थी। पुलिस ने दो फैन्स को तो आराम से दबोच लिया, लेकिन तीसरे को पकड़ने के लिए उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी। आश्चर्य तो तब हुआ, जब फैन्स विराट कोहली के पास पहुंचे और उन्होंने भी सेल्फी के लिए हां कह दी।

टीम के खराब प्रदर्शन के कारण फैंस ने नेमार और मेस्सी खिलाफ की हूटिंग

पेरिस। चैंपियंस लीग में एक बार फिर लचर प्रदर्शन के बाद स्टार खिलाड़ियों नेमार और लियोनल मेस्सी को घरेलू सरजमीं पर बोरडेक्स के खिलाफ फ्रेंच फुटबॉल लीग मुकाबले में 3-0 की जीत के दौरान दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा। नेमार ने लीग वन में निचले पायदान पर चल रही बोरडेक्स के खिलाफ अपनी टीम का दूसरा गोल भी दागा लेकिन इस दौरान दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। मेस्सी को भी दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा।

इस जीत से पीएसजी ने लीग वन के शीर्ष पर 15 अंक की बढ़त बना ली है लेकिन दर्शक चैंपियन्स लीग में टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे थे जहां उसे रीयाल मैड्रिड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

चीन में भारत के नए राजदूत रावत ने संभाला प्रभार

बीजिंग। चीन में भारत के नए राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने सोमवार को प्रभार संभाल लिया। रावत चार मार्च को चीन पहुंच गए थे और चीन के कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पृथक-वास में थे। चीन में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, ''चीन में भारत

के राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने आज प्रभार संभाल लिया।' रावत से पहले राजदूत विक्रम मिस्री यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। मिस्री को उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है।इससे पहले, 1990 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी रावत नीदरलैंड में भारत के राजदूत के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। रावत की नियुक्ति ऐसे समय में की गई है, जब चीन और भारत के बीच पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध बना हुआ है। उन्होंने पहले हांगकांग और बीजिंग में भी सेवाएं दी हैं। वह इंडोनेशिया और तिमोर-लेस्ते में भी भारत के राजदूत रह चुके हैं। रावत धाराप्रवाह मेंडरिन (चीन की आधिकारिक भाषा) बोलते हैं।

मुश्किल में महाशक्ति : रूस के कर्ज डिफॉल्टर बनने की गहरा रही आशंका, कई देशों- वित्त संस्थानों को डूब सकता है धन

मास्को। यूक्रेन से जंग छेड़ने के बाद महाशक्ति देश रूस पर लगी पाबंदियों से उसकी आर्थिक सेहत बिगड़ने लगी है। रूस के कर्ज डिफॉल्टर (चूककर्ता) बनने की आशंका लगातार गहराती जा रही है। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी कह दिया है कि रूस के डिफॉल्टर बनने की वास्तविक संभावना पैदा हो गई है। यदि रूस चूककर्ता देश बना तो उससे जुड़े कई अन्य देशों की अर्थव्यवस्था पर भी आंच आना तय है। डिफॉल्टर का मतलब यह है कि रूस विभिन्न देशों व वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से लिया गया कर्ज और उसका ब्याज तय समय पर नहीं चुका पाएगा। इससे कई देशों और संस्थानों का धन फंस या डूब सकता है।

विश्लेषकों का कहना है कि रूस के पास कर्ज चुकाने के लिए पर्याप्त धन है, लेकिन अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों ने उस पर जो प्रतिबंध लगा दिए हैं। उनकी वजह से वह अपनी रकम का इस्तेमाल करने की स्थिति में नहीं रह गया है। पिछले 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। उसके बाद से पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। उनमें रूसी संपत्तियों को जब्त करना और वैश्विक भुगतान के सिस्टम स्विफ्ट से रूसी बैंकों को बाहर करना शामिल है। प्रतिबंध लगाने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन के सदस्य देश शामिल हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टेलीना जियोर्गिएवा ने अमेरिकी टीवी चैनल ब्लूमबर्ग से कहा कि प्रतिबंधों के कारण रूस के लिए आईएमएफ से विशेष आहरण अधिकार (स्पेशल ड्राइंग राइट्स या एसडीआर) का इस्तेमाल करना भी कठिन हो गया है।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा कोरोना पॉजिटिव, पीएम मोदी ने की जल्द स्वस्थ होने की कामना

वाशिंगटन। अमेरिका में दो बार राष्ट्रपति पद पर रहे बराक ओबामा कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने ट्विटर पर दी। उन्होंने लिखा कि मैं कोरोना पॉजिटिव हो गया हूं। मेरे कुछ दिनों से गले में खराश है, लेकिन मैं ठीक महसूस कर रहा हूँ। आगे ट्वीट में लिखा कि हमने सही किया कि मैंने और मिशेल ने वैक्सीन ले ली थी। मिशेल का कोरोना परीक्षण नेगिटिव आया है। साथ ही ट्वीट में उन्होंने लोगों से वैक्सीन लगवाने की अपील की। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि यदि आपने पहले से टीकाकरण नहीं कराया है तो यह एक रिमांडर है, भले ही मामले कम हों। उनका कहने का मतलब है कि कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, मार्च के मध्य में प्रति दिन औसतन लगभग 35,000 मामलों के साथ, जनवरी के मध्य में प्रति दिन औसतन 810,000 मामलों की तुलना में अमेरिकी दैनिक मामलों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) का कहना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पांच वर्ष और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों में से 80 प्रतिशत से अधिक लोगों को कम से कम एक कोविड -19 वैक्सीन की खुराक मिली है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, करीब 1,25,000 आम लोगों को सुरक्षित गलियारे के जरिए निकाला गया

ल्वीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अब तक करीब 1,25,000 आम लोगों को सुरक्षित गलियारे के जरिए निकाला गया है और एक दल मानवीय सहायता लेकर रूसी बलों से घिरे मारियुपोल शहर की तरफ बढ़ रहा है।जेलेंस्की ने रविवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा, हम अब तक मानवीय गलियारे के जरिए करीब 1,25,000 लोगों को सुरक्षित निकाल चुके हैं। उन्होंने कहा, हमारा दल मानवीय सहायता लेकर मारियुपोल की ओर बढ़ रहा है,जोकि अब केवल 80 किलोमीटर दूर है। हम आक्रमणकारियों का मुकाबला करने के लिए हर संभव उपाय कर रहे हैं।

वेटिकन सिटी: पोप फ्रांसिस ने यूक्रेन में जारी रूसी हमले में निहत्थे आम नागरिकों और बच्चों की हत्या को बर्बरता करार देते हुए इसकी निंदा की। पोप ने आग्रह किया कि शहरों के कब्रिस्तान में तब्दील होने से पहले तत्काल युद्ध को रोका जाना चाहिए। यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से रविवार को पोप ने बेहद कड़े शब्दों में इसकी निंदा की। सेंट पीटर्स स्क्वायर में रविवार को एकत्र करीब 25,000 लोगों को संबोधित करते हुए पोप ने कहा, मैं कहता हूं कि ईश्वर के नाम

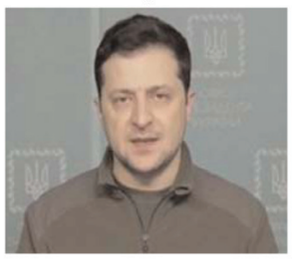

पर इस नरसंहार को रोक दो।

अंतालिया: तुर्की के विदेश मंत्री ने रविवार को कहा कि उनका देश यूक्रेन में फंसे अपने उन नागरिकों को निकालने का प्रयास कर रहा है, जोकि मारियुपोल की एक मस्जिद में ठहरे हुए थे। रूसी हमले में शनिवार को मारियुपोल की एक मस्जिद को निशाना बनाया गया था, जिसमें 34 बच्चों समेत 89 तुर्की नागरिकों ने शरण ली हुई थी। मंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से बात की और उनसे मारियुपोल में फंसे तुर्की नागरिकों के लिए सुरक्षित गलियारा उपलब्ध कराने में मदद मांगी ताकि इन लोगों को वहां से निकाला जा सके।

ल्वीव: पश्चिमी यूक्रेन में स्थित सैन्य प्रशिक्षण अड्डे पर हुए रूसी हवाई हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई जबकि 57 अन्य घायल हुए हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस रूसी हमले से युद्ध पोलैंड सीमा के करीब तक पहुंच गया है। इससे पहले रूस के एक वरिष्ठ राजनयिक ने चेताया था कि विदेशों से यूक्रेन को मिलने वाले सैन्य साजो-सामान को मॉस्को निशाना बनाएगा।

ल्वीव प्रांत के गवर्नर मक्सिम कोजित्स्काई ने कहा कि रूसी बलों ने ल्वीव शहर के उत्तर-पश्चिम में 30 किलोमीटर दूर स्थित यावोरिव सैन्य ठिकाने पर कम से कम 30 क्रूज मिसाइल दागीं। ये सैन्य अड्डा पोलैंड सीमा से 35 किलोमीटर दूर यूक्रेनी क्षेत्र में स्थित है। सुसेआवा (रोमानिया) रूसी बमबारी के बाद बुरी तरह प्रभावित हुए उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहिव शहर से अपने 10 वर्षीय बेटे के साथ किसी तरह रोमानिया पहुंची एक विधवा ने वहां का मंजर बयां किया। एलेना युरचुक (44) चेर्निहिव के एक अस्पताल में बतौर नर्स काम करती थीं जोकि बमबारी में तबाह हो चुका है।

ब्रिटेन सरकार यूक्रेन के शरणार्थियों को अपने घरों में आश्रय देने वाले परिवारों को 350 पाउंड देगी

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने उन परिवारों को 350 पाउंड (456 अमेरिकी डॉलर) प्रति माह भत्ता देने की घोषणा की, जो युद्ध क्षेत्र से आने वाले यूक्रेनी शरणार्थियों को अपने घरों में आश्रय देते हैं।ब्रिटेन के आवास मंत्री माइकल गोव ने टेलीविजन साक्षात्कारों के दौरान कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हजारों शरणार्थी अतिरिक्त योजनाओं से लाभान्वित होंगे, जिसमें स्थानीय परिषदों के लिए प्रति व्यक्ति 10,000 पाउंड (13,000 अमेरिकी डॉलर) का अनुदान शामिल होगा ताकि रूस-यूक्रेन संघर्ष की वजह से यहां आने वाले लोगों की अतिरिक्त जरूरतों को पूरा किया जा सके।

मंत्री ने कहा कि शरणार्थियों की करदाताओं द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) तक भी पहुंच होगी। गोव ने बताया, ''यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए, स्थानीय अधिकारियों को प्रति

व्यक्ति 10,000 पाउंड से अधिक उपलब्ध कराया जायेगा।''

यूक्रेन के लिए नई आवास योजना के तहत सोमवार से ऑनलाइन पंजीकरण कराया जा सकेगा।

प्रायोजन (स्पांसर) योजना के तहत, प्रायोजक के रूप में कार्य करने वाले व्यक्ति एक नामित यूक्रेनी व्यक्ति या परिवार को उनके साथ अपने घर में किराए पर मुक्त रहने के लिए, या एक अलग संपत्ति देने में सक्षम होंगे। योजना के तहत आवेदन ऑनलाइन किए जाएंगे, प्रायोजकों की जांच की जाएगी और शरणार्थियों को सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। गोव ने बीबीसी को बताया, ''यह सबसे तेज तरीका है जिससे हम लोगों को खतरे से बाहर निकालकर ब्रिटेन में ला सकते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या वह एक यूक्रेनी शरणार्थी को अपने घर ले जाएंगे, मंत्री ने ''हां'' कहा।

उन्होंने कहा कि वह देख रहे हैं कि इस संबंध में क्या किया जा सकता है। गौरतलब है कि रूसी हमलों से बचने के लिए 25 लाख से अधिक लोगों के यूक्रेन से पलायन करने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से सबसे तेजी से बढ़ता हुआ शरणार्थी संकट कहा है।

व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में रूसी बलों की प्रगति से हताश हैं : अमेरिका के सुरक्षा सलाहकार

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में अपने बलों की प्रगति से हताश हैं। साथ ही सुलिवन ने संकल्प जताया कि नाटो क्षेत्र की एक-एक इंच जमीन की सुरक्षा की जाएगी।सुलिवन ने सीएनएन को दिए साक्षात्कार में कहा, व्लादिमीर पुतिन इस तथ्य से हताश हैं कि उनकी सेना यूक्रेन में उस तरह की प्रगति नहीं दिखा पा रही, जैसा कि उन्होंने कीव समेत प्रमुख शहरों को लेकर अपेक्षा जतायी थी।

सुलिवन ने कहा कि अमेरिका 24 फरवरी को यूक्रेन पर हुए रूसी हमले से पहले ही आगाह करता आया है कि रूस की योजना पूरे यूक्रेन - उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम- पर हमला करने की है।

उन्होंने कहा कि ऐसे में अमेरिकी खुफिया एजेंसी और राष्ट्रीय सुरक्षा समुदाय को इस बात को लेकर कोई आश्चर्य नहीं है कि रूस की योजना पूरे यूक्रेन पर हमला करने की रही है। सुलिवन ने फिर दोहराया की अमेरिकी बल यूक्रेन में कार्रवाई नहीं करेंगे।

टोरंटो में सड़क भीषण हादसा, 5 भारतीय छात्रों की मौके पर मौत...दोस्तों के संपर्क में दूतावास की टीम

टोरंटो । कनाडा के टोरंटो में एक सड़क हादसे में पांच भारतीय छात्रों की मौत हो गई है। यह हादसा हुआ।

दो छात्र इस हादसे में घायल भी हुए हैं जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। टोरंटो में भारतीय दूतावास मृतक और घायल छात्रों के दोस्तों के साथ संपर्ख में है। इस बात की जानकारी कनाडा में भारत के उच्चायुक्त अजय बिसारिया ने दी है। मृतकों की उम्र 21 साल से 24 साल के बीच बताई जा रही है।हादसा इतना भीषण था कि सभी पांच छात्रों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये हादसा एक वैन के ट्रैक्टर-ट्रेलर की टक्कर के कारण हुआ। जिन दो लोगों का इलाज चल रहा है, उन्हें गंभीर चोट आई हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने बताया है कि 24 साल के हरप्रीत सिंह, 21 साल

के जसप्रीत सिंह, 22 साल से करनपाल सिंह, 23 साल के मोहित चौहान और 23 साल के पवन कुमार को घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सभी मॉन्ट्रियल और ग्रेटर टोरंटो क्षेत्रों में पढ़ाई कर रहे थे। भारतीय राजदूत अजय बिसारिया ने ट्वीट करते हुए बताया, 'कनाडा में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। टोरंटो के पास एक ऑटो दुर्घटना में 5 भारतीय छात्रों की मौत हो गई। दो अन्य छात्र अस्पताल में भर्ती हैं। पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं. भारत की टोरंटो टीम सहायता के लिए पीड़ितों के दोस्तों के संपर्क में है। सभी छात्र शनिवार की सुबह एक पैसेंजर वैन में पश्चिम की ओर जा रहे थे, तभी उनकी वैन की ट्रैक्टर-ट्रेलर से जोरदार टक्कर हो गई।

इमरान खान के बिगड़े बोल- 'आलू, टमाटर' कीमतों को काबू करने राजनीति में नहीं आया

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने उनके विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने पर विपक्ष को निशाने पर लेते हुए रविवार को कहा कि वह 'आलू, टमाटर' की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए राजनीति में नहीं आये। खान ने पंजाब प्रांत के हाफिजाबाद में एक राजनीतिक रैली में कहा कि देश उन तत्वों के विरूद्ध खड़ा होगा जो 'धनबल के माध्यम से' सरकार को गिराने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान उनके कार्यकाल के शेष समय में एक महान राष्ट्र बनने जा रहा है क्योंकि उनकी सरकार द्वारा घोषित रियायतों के नतीजे शीघ्र ही सामने आयेंगे। खान ने कहा कि वह देश के युवाओं की खातिर राजनीति में आये क्योंकि ऐसा कर (राजनीति में आकर) उन्हें कोई निजी फायदा नहीं हुआ है क्योंकि उनके पास पहले से ही जीवन में वह सब कुछ है जिसका एक व्यक्ति सपना देखता है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष ने कहा, '' मैं आलू और टमाटर के दाम जानने राजनीति में नहीं आया। मैं देश के युवाओं की खातिर राजनीति में आया हूं।' उन्होंने कहा, ''यदि हम महान राष्ट्र बनना चाहते हैं तो हमें सच का साथ देना होगा और यही वह बात है जिसकी मैं पिछले 25 वर्षों से सीख दे रहा हूं।' पाकिस्तान की सामान्य महंगाई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में मापी जाती

है और यह 24 महीने के सर्वोच्च स्तर 13 प्रतिशत पर है और लगभग सभी वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं। 'डॉन' अखबार के अनुसार जनवरी, 2020 के बाद यह सर्वोच्च सीपीआई मुद्रास्फीति है, जब यह 14.6 फीसदी थी।

चीन से सैन्य मदद मांग रहा है रूस : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन। अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा है कि रूस ने चीन से यूक्रेन पर हमले में इस्तेमाल करने के लिए सैन्य उपकरण मांगे हैं। उसके इस अनुरोध ने अमेरिका के शीर्ष सहायकों और चीन की सरकार के बीच रोम में हो रही बैठक के मद्देनजर युद्ध को लेकर तनाव बढ़ा दिया है।

वार्ता से पहले व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने खुलेआम चीन को आगाह किया कि वह वैश्विक प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस की मदद न करें। इन वैश्विक प्रतिबंधों ने रूस की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। उन्होंने एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि हाल के दिनों में रूस ने चीन से सैन्य उपकरण समेत अन्य मदद मांगी है। इस संबंध में सबसे पहले खबर फाइनेंशियल टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट ने दी थी।

बाइडन प्रशासन ने चीन पर रूस को लेकर गलत सूचनाएं फैलाने का भी आरोप लगाया है जो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना के यूक्रेन पर रासायनिक या जैविक हथियारों से हमला करने के लिए एक बहाना हो सकती है।

बाइडन प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि बीजिंग रूस के इन गलत दावों का प्रचार कर रहा है कि यूक्रेन अमेरिका की मदद से रासायनिक और जैविक हथियारों की प्रयोगशालाएं चला रहा है।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से चीन अपने दो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ नाजुक स्थिति में आ गया है। चीन को इन बाजारों तक पहुंच की जरूरत है लेकिन उसने मॉस्को के प्रति भी समर्थन दिखाया है। उसने कहा है कि रूस के साथ उसकी दोस्ती की ''कोई सीमा नहीं'' है।

चीन के विदेश नीति के वरिष्ठ सलाहकार यांग जिएची के साथ वार्ता में सुलिवान निश्चित तौर पर इस पर चर्चा करेंगे कि बीजिंग किन सीमाओं तक मॉस्को की मदद करेगा।

वार्ता पर संक्षिप्त टिप्पणियां करते हुए चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यूक्रेन का जिक्र किए बिना कहा ''इस बैठक का मुख्य मुद्दा पिछले नवंबर में चीन और अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों के वर्चुअल सम्मेलन में बनी अहम आम सहमति को लागू करना है।''

कोरोना ने बढ़ाई चीन की टेंशन; दो दिन में तीन करोड़ लोग किए घरों में कैद, कई शहरों में लगा लॉकडाउन

बीजिंग। पूरी दुनिया को कोरोना महामारी के प्रकोप का दंश देने वाला चीन एक बार फिर वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि को लेकर चिंता में है। कोरोना विस्फोट के बाद चीन वे दो दिन के करीब तीन करोड़ लोग घरों में कैद कर दिए हैं और तीन शहरों में लगा लॉकडाउन लगा दिया है। यही वजह है कि दक्षिणी चीन के तकनीकी हब शेनजेन शहर के करीब 1,70,00,000 लोग अब घरों में कैद हैं।शेनजेन के स्थानीय प्रशासन ने लॉकडाउन का यह कदम तब उठाया है, जब जिले में एक दिन में ही 66 लोग संक्रमित मिले। इस बीच शंघाई में स्कूल-पार्क बंद रहे, तो बीजिंग में आवासीय इलाकों में प्रवेश करने पर रोक लगा दी गई है। नए मामले मिलने के बाद बीजिंग में प्रशासन

ने लोगों से कहा कि वह अपने घरों से बाहर नहीं निकलें। यहां तक कि लोगों को हिदायत दी गई है कि जरूरी न होने पर शहर भी न छोड़ा जाए।

चीन ने शेनझेन शहर के प्रमुख 'बिजनेस सेंटर' को भी बंद करने का कदम उठाया। साथ ही वायरस के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर शंघाई से संपर्क में कटौती करने के लिए बसों का संचालन स्थगित कर दिया है। चीनी सरकार के मुताबिक, रविवार को संक्रमण के 60 नये मामले सामने आने के बाद शेनझेन शहर के प्रत्येक व्यक्ति को त्रिस्तरीय जांच से गुजरना होगा। ये शहर वित्त एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के तौर पर मशहूर है। खाद्य आपूर्ति, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं वाले कारोबार के अलावा बाकी सभी प्रतिष्ठानों को बंद रखने या घर से काम करने का आदेश दिया गया। गौरतलब है कि चीन के जिलीन प्रांत की राजधानी चांगचुन में शुक्रवार को लॉकडाउन लगाया जा चुका है। तब इस शहर के 90 लाख लोगों को आपात अलर्ट के बाद घरों पर रहने के आदेश दे दिए गए थे। दूसरी तरफ शांडोंग प्रांत के युचेंग में भी लॉकडाउन का आदेश दिया गया था, जिसकी आबादी करीब पांच लाख है। यानी चीन के कुल तीन शहरों में फिलहाल 2,65,00,000 लोग अपने घरों में बंद रहने को मजबूर हैं। शेनजेन में चीन की दो प्रमुख कंपनियों हुआवे और टेनसेंट का हेडऑफिस है। यह शहर हॉन्गकॉन्ग से सीमा साझा करता है, जहां पहले ही कोरोना की लहर से बड़ी संख्या में लोग संक्रमित मिल रहे हैं। हॉन्गकॉन्ग में स्थिति लगातार खराब होती जा रही है जहां पर अधिकारियों ने कोविड-19 के 27,647 नए मामलों की पुष्टि की है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

211019 से प्रकाशित स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

रूस और यूक्रेन के बीच चौथे दौर की वार्ता शुरू, इजराइल मध्यस्थता को राजी

कीव। यूक्रेन पर रूस के हमले के 19वें दिन युद्ध समाप्त होने के लिए उम्मीद की एक किरण इजराइल के रूप में दिखाई दी है। यूक्रेन में रूस के आक्रमण को रोकने के लिए इजराइल मध्यस्थता को राजी हो गया है। इसके बाद हमला रुकने और शांति की स्थापना की उम्मीद जगी है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इजराइल से रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता कर युद्ध रुकवाने की अपील की थी। अब यूक्रेनी राष्ट्रपति प्रशासन के मुखिया एंड्री यरमक ने जानकारी दी है कि रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता में इजराइल मध्यस्थता करने जा रहा है। इससे पहले इजरायल के राष्ट्रपति नफ्ताली बेनेट ने स्वयं भी रूस और यूक्रेन के बीच लगातार

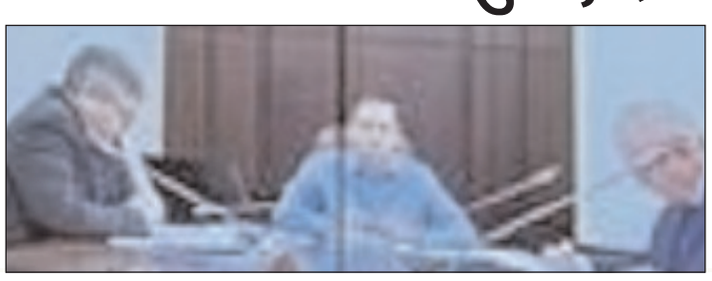

जारी संघर्ष में मध्यस्थता करने की पेशकश की थी। अब इस पेशकश के आगे बढ़ने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि इस मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच युद्धविराम जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।इस बीच यूक्रेन और रूस के बीच चौथे दौर की वार्ता भी शुरू हो गयी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार और रूस के साथ यूक्रेन की ओर से वार्ताकार मिखाइलो पोडोल्याक ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हो रही वार्ता की एक तस्वीर ट्विटर पर साझा की है। उन्होंने इस तस्वीर के साथ लिखा है कि सोमवार को यूक्रेन और रूस के बीच वार्ता शुरू हो गई है। उन्होंने लिखा कि दोनों के बीच संवाद कठिन है लेकिन यह हो रहा है।